दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
itdcnews.com
भारत सरकार डाक पंजीयन संख्या MP/BHOPAL/4-504/2020-22
मध्य प्रदेश संस्करण
आर.एन.आई. नंबर MPBIN/2018/77221
अंक 352, वर्ष 05, पृष्ठ 08, मूल्य रू. 2.00
भोपाल, सोमवार, 31 अक्टूबर 2022

गुजरात के मोरबी में बड़ा हादसा

गुजरात में सस्पेंशन ब्रिज टूटा, 60 लोगों की मौत

2 करोड़ में हुआ था रेनोवेशन, दिवाली के एक दिन बाद खुला था

मोरबी। गुजरात के मोरबी में रविवार शाम को मच्छु नदी पर बना केबल पुल टूटने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस घटना के दौरान पुल के ऊपर खड़े कई लोग नदी में गिर गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी जल्द मौके पर पहुंच रही हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त सैकड़ों की तादाद में लोग पुल पर मौजूद थे।

रेस्क्यू टीमों ने कई लोगों को नदी से निकालकर अस्पताल भेज दिया है। वहीं अन्य लोगों की तलाश भी जारी है। सभी लोगों को जल्द से जल्द नदी से बाहर निकालने की कोशिशें जारी हैं। रविवार को छुट्टी का दिन होने के चलते आज यहां काफी भीड़भाड़ थी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवार के लिए 4-4 लाख रुपये और घायलों को 50-50 रुपये देने का ऐलान किया है।

यह पुल करीब 100 साल पुराना बताया जा रहा है और कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत कराई गई थी। मरम्मत के बाद 5 दिन पहले ही इसे आम जनता के लिए फिर से खोला गया था। वहीं, प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अन्य अधिकारियों ने मोरबी में हुई दुर्घटना के संबंध में बात की है। उन्होंने बचाव अभियान के लिए टीमों को तत्काल जुटाने, स्थिति की बारीकी से और लगातार निगरानी करने और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने को कहा है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरबी हादसे में जान गंवाने वालों में से प्रत्येक के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि मोरबी में सस्पेंशन ब्रिज गिरने की घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। राहत और बचाव कार्य जारी है। घायलों के तत्काल इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

मृतकों के लिए 4 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजे का ऐलान

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री के साथ आगे के कार्यक्रमों को छोटा करके जल्द गांधीनगर पहुंच रहा हूं। राज्य के गृह मंत्री को मौके पर पहुंचने और बचाव कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ समेत जवानों को बचाव कार्य में लगाया गया है। मैं मोरबी त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले नागरिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये देगी।

एनडीआरएफ मौके पर पहुंच रही

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोरबी में हुए हादसे से अत्यंत दुखी हूं। इस विषय में मैंने गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी व अन्य अधिकारियों से बात की है। स्थानीय प्रशासन पूरी तत्परता से राहत कार्य में लगा है, हृष्टक्रष्ठ भी शीघ्र घटनास्थल पर पहुंच रही है। प्रशासन को घायलों को तुरंत इलाज देने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया है। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात से बेहद दु:खद खबर मिल रही है। मोरबी में ब्रिज टूट जाने से कई लोगों के नदी में गिर जाने की खबर है। भगवान से उनकी जान और स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

टीम इंडिया को मिली पहली हार, साउथ अफ्रीका ने रोक दिया विजयरथ

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका की टीम के बीच पर्थ के मैदान पर टी20 विश्व कप का एक अहम मैच खेला गया। इस मैच में साउथ अफ्रीका की टीम को जीत मिली और इस तरह दुर्नामेंट में भारत का विजयरथ रुक गया। साउथ अफ्रीका ने इस लो स्कोरिंग मैच को आखिरी ओवर में 5 विकेट से जीतने में सफलता हासिल की। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, कप्तान का ये फैसला सही साबित नहीं हुआ, क्योंकि वे खुद सबसे पहले आउट हुए और फिर विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया। टीम सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 133 रन बना सकी। उधर, 134 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिली, लेकिन एडन मार्करम और डेविड मिलर ने अर्धशतक जड़े और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। डेविड मिलर आखिर तक नाबाद लौटे। उन्होंने 59 रन बनाए। भारत के लिए दो विकेट अर्शदीप सिंह को मिले।

मध्यप्रदेश और हरियाणा में पेट्रोल और डीजल में हल्की गिरावट

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 95.77 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। रविवार को ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 95.77 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई 87.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। पेट्रोल डीजल की कीमत में कुछ राज्यों में गिरावट देखने को मिली है। देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रविवार को हरियाणा में पेट्रोल घटकर 97.45 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल 90.29 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल गिरकर 95.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल 81.88 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह मध्यप्रदेश में भी पेट्रोल की कीमत में मामूली गिरावट के साथ यह 109.62 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल 94.81 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 23 पैसे बढ़कर 96.63 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल भी 23 पैसे बढ़कर 89.80 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

महंगाई को काबू रखने में विफलता पर चर्चा करेगा आरबीआई

सरकार को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। छह साल पहले मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का गठन होने के बाद पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लगातार नौ महीनों तक मुद्रास्फीति (महंगाई दर) को निर्धारित दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। वर्ष 2016 में मौद्रिक नीति निर्धारण के एक व्यवस्थित ढांचे के रूप में एमपीसी का गठन किया गया था। उसके बाद से एमपीसी ही नीतिगत ब्याज दरों के बारे में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई बनी हुई है। एमपीसी ढांचे के तहत सरकार ने आरबीआई को यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि महंगाई दर चार प्रतिशत (दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) से नीचे बनी रहे। हालांकि, इस साल जनवरी से ही महंगाई दर लगातार छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में भी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत पर दर्ज की गई। इसका मतलब है कि लगातार नौ महीनों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। मुद्रास्फीति का यह स्तर दर्शाता है कि आरबीआई अपना निर्दिष्ट दायित्व निभाने में असफल रहा है। दरअसल, आरबीआई अधिनियम की धारा 45जेडएन में प्रावधान है कि लगातार तीन तिमाहियों यानी लगातार नौ महीनों तक मुद्रास्फीति के निर्धारित स्तर से ऊपर रहने पर केंद्रीय बैंक को अपनी नाकामी के बारे में सरकार को एक समीक्षात्मक रिपोर्ट सौंपनी होगी।

इस रिपोर्ट में आरबीआई को यह बताना होता है कि मुद्रास्फीति को काबू में रख पाने में उसकी नाकामी की क्या वजह रही? इसके साथ ही आरबीआई को यह भी बताना होता है कि वह स्थिति को काबू में लाने के लिए किस तरह के कदम उठा रहा है। इन वैधानिक प्रावधानों और मुद्रास्फीति के मौजूदा स्तर को देखते हुए आरबीआई ने तीन नवंबर को एमपीसी की विशेष बैठक बुलाई है जिसमें सरकार को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट को तैयार किया जाएगा। एमपीसी के छह-सदस्यीय पैनल की अगुवाई गवर्नर शक्तिकांत दास करेंगे।

मोदी बोले- 2019 के बाद 30 हजार लोगों की लगी सरकारी नौकरी

370 हटने से जम्मू-कश्मीर में बढ़ा रोजगार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जम्मू-कश्मीर रोजगार मेले को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में 20 अलग-अलग जगहों पर 3 हजार युवाओं को सरकार में काम करने के लिए नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी युवाओं को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, आने वाले दिनों में दूसरे अन्य विभागों में भी 700 से यादा नियुक्ति पत्र देने की तैयारी जोरों पर है।

21वीं सदी का यह दशक जम्मू-कश्मीर के इतिहास का सबसे अहम दशक है। हमें नई सोच के साथ काम करना है। जम्मू-कश्मीर अब नई व्यवस्थाओं में निरंतर विकास को आगे बढ़ा रहा है। प्रदेश में 2019 से अब तक 30,000 सरकारी पदों पर भर्ती हुई है। इनमें से करीब 20,000 नौकरियां बीते साल में दी गई हैं।

नई संभावनाओं का लाभ उठाने का समय

नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब समय पुरानी चुनौतियों को पीछे छोड़कर नई संभावनाओं का लाभ उठाने का है। यह हमारे युवा ही हैं जो जम्मू कश्मीर में विकास की नई गाथा लिखेंगे। आज इस प्रदेश में रोजगार मेले का आयोजन बहुत विशेष है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उसने टूरिम सेक्टर को भी मजबूत किया है।

सोलर एनर्जी, स्पेस सेक्टर में बढ़ रहे अवसर

मोढेरा गांव की तारीफ, मन की बात में पीएम की बड़ी बातें

नई दिल्ली। मन की बात के 94वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को फिर संबोधित किया। सबसे पहले उन्होंने देशवासियों को छठ पर्व की बधाई दी और कहा कि यह पर्व स्वच्छता पर जोर देता है। पीएम मोदी ने किसान कुसुम योजना का जिक्र किया। साथ ही सोलर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में भारत की उपलब्धियों पर अपनी बात रखी। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में गुजरात के मोढेरा गांव का उदारण देते हुए कहा कि इसे देखकर दूसरे गांव के लोग मुझे सौर गावों में बदलने के लिए लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम को एक बार फिर संबोधित किया। सबसे पहले छठ पर्व की बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह स्वच्छता पर जोर देता है। भारत के स्पेस सेक्टर की उपलब्धियों पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने नवीनतम लॉन्च के साथ भारत को वैश्विक वाणिज्यिक बाजार में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभारा है। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस सेक्टर में भारत की उपलब्धियों को सराहा।

जहरीली हवा की गिरफ्त में नोएडा-गाजियाबाद, कानपुर की हालत भी खराब

लखनऊ। सर्दी शुरू होने के साथ-साथ दिन पर दिन हवा के रुख से आसमान में धूल कणों का दबाव बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को हवा की औसत गति 4 से 5 किमी. प्रति घंटा रही थी। इससे कई शहरों की हवा तेजी से प्रदूषित हो रही है। रविवार सुबह को लखनऊ का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 दर्ज हुआ। शाम तक यहां आंकड़ा गिरकर 291 पर आ गया। वहीं गाजियाबाद की हवा खतरनाक भी कम खतरनाक नहीं है। गाजियाबाद में सुबह एक्यूआई 419 दर्ज किया गया। जबकि जब तक ये आंकड़ा 372 पर सिमट गया। हल्की ठंड शुरू होने के बाद ये कण जमीनी सतह से 30 मीटर ऊंचाई तक ही सीमित है। इससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ रही है।

वहीं कानपुर और नोएडा की हवा भी बहुत खराब हो गई है। कानपुर के किदवई नगर में एक्यूआई 290, नोएडा सेक्टर 62 में 380 और ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क 3 में 359 एक्यूआई दर्ज हुआ। इनके अलावा आगरा में संजय पैलेस में एक?यूआई 257, बरेली के सिविल लाइंस में 151, गाजियाबाद के वसुंधरा क्षेत्र में 372, गोरखपुर के एमएमएमयूटी क्षेत्र में 164, मेरठ के जयभीम नगर क्षेत्र में 252, मुरादाबाद के इको हर्बल पार्क क्षेत्र में 220, प्रयागराज नगर निगम क्षेत्र में 229 और वाराणसी के मलदहिया क्षेत्र में 164 पाया गया।

शिवराज बोले- कांग्रेस और पंडित नेहरू ने भारत को बांटा

भारत जोड़ो यात्रा किसे एकजुट करेगी?

कलबुर्गी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पर देश को विभाजित करने का आरोप लगाया। साथ ही सवाल किया कि राहुल गांधी की अगुवाई में चलाई जा रही %भारत जोड़ो यात्रा का मकसद किसे एकजुट करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि कर्नाटक में भाजपा एक बार फिर सत्ता में आने वाली है।

भारत को किसने तोड़ा?

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो देश के लिए काम कर रहे हैं तो दूसरी तरफ राहुल बाबा हैं जो भारत जोड़ों यात्रा कर रहे हैं। श्रीमान राहुल गांधी, हमें बताएं- भारत को किसने तोड़ा?

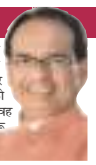

सन 1947 में जल्द से जल्द सत्ता पाने की चाहत के साथ, अगर किसी ने देश को विभाजित किया, तो वह पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस थे।

कांग्रेस के लोगों ने बांटा देश

शिवराज सिंह चौहान ने कलबुर्गी में भाजपा के पिछड़ा वर्ग की जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग हैं जिन्होंने भारत को विभाजित किया, लेकिन आज वे भारत जोड़ो (भारत को एकजुट करने) की बात कर रहे हैं।

इसलिये खड़गे को बनाया अध्यक्ष

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ भाजपा है जहां एक बहुत ही साधारण परिवार का व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन सकता है दूसरी तरफ कांग्रेस है जो एक परिवार की पार्टी है। कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना अध्यक्ष बनाकर शेखी बघार रही है, लेकिन वे केवल बलि का बकरा हैं। सोनिया और राहुल गांधी अछी तरह जानते हैं कि कांग्रेस कभी भी खत्म हो जाएगी और वे चुनाव नहीं जीत सकते, इसलिए उन्होंने खड़गे पर अपनी नाकामियों का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें पार्टी का अध्यक्ष बनाया है।

ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में आए मोदी

शिवराज सिंह चौहान ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसे वक्त में जब कांग्रेस भारत जोड़ो की बात कर रही है, पार्टी के लोग कांग्रेस छोड़ने के मूड में हैं। पूरे देश में कांग्रेस पार्टी कहीं नजर नहीं आती है। कर्नाटक में भी कांग्रेस बंटी हुई है। कर्नाटक में एक धड़े का नेतृत्व डीके शिवकुमार तो दूसरे का नेतृत्व सिद्धारमैया एवं अन्य का नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) को संवैधानिक दर्जा देकर बड़ा काम किया है।

जुआ खेलते 6 को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा

बैतूल/भौरा। भौरा नगर में चल रहे अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में शनिवार को महात्मा गांधी स्कूल ग्राउंड पट छापा मारकर 6 लोगों को जुट खेलते रंगे हाथ पकड़ा। पुलिस चौकी प्रभारी इरफान कुरैशी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद के आदेश पर टीम जुआरी और सटोरियों की धरपकड़ कर रही है। शनिवार को टीम को जानकारी मिली कि महात्मा गांधी स्कूल ग्राउंड पर आधा दर्जन से ज्यादा लोग हार-जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

पुलिस ने इन्हें किया गिरफ्तार- इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर स्कूल ग्राउंड की घेराबंदी कर छापेमारी की। मौके पर राहुल चौहान पिता गुरुदेव चौहान, गब्बर पिता सुरेश साहू, अंशुल पिता मोहनलाल, विवेक पिता रामदास मालवीय, नीरज पिता मुन्ना लाल जखोदिया, कमलेश पिता संभल ताश की पत्ती की फड़ लगाकर जुआ खेल रहे थे। चौकी प्रभारी इरफान कुरैशी ने बताया कि मौके से पुलिस ने 2 हजार 5 सौ रुपए नगदी भी बरामद की है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ भौरा पुलिस चौकी में मामला पंजीबद्ध कर दिया गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

जागरुकता की पहल को लेकर आखिर भवानी शंकर शर्मा पर ही टिकती है नजर..

नर्मदापुरम - संजीव डे राय। नर्मदापुरम की ऐतिहासिक और भौगोलिक पृष्ठ भूमि प्रदेश ही नही पूरे देश में अलग पहचान रखती है, इसका अपना इतिहास है उसे सजो कर रखने में चंद लोगों ने गम्भीरता दिखाई है कम लोग है। जो नर्मदापुरम की धरोहर, परम्परा, संस्कृति को बचाने का प्रयास कर रहे है अगर यह लोग जनता को जागरूक करने का प्रयास करते है तो गलत नही है। ऐसे लोगों की सराहना की जानी चाहिए उन्हें बढ़ावा देना चाहिए, इसमें आलोचना होती है तो गलत क्या है उन्हीं में से एक भवानी शंकर शर्मा है अगर मुद्दों को सामने लाने का प्रयास करते है उसे गम्भीरता से लेना चाहिए, क्योंकि नगर में घट रही कुछ घटनाएं नगर और नगर वासियों के लिए ठीक नहीं जिनका बोझ आने वाली पीढ़ी को ही भुगतना होगा..? ऐसा हम ही नहीं नगर के लेकर बौद्धिक सोच रखने वाले उन बुद्धिजीवियों का भी है जो घटित घटनाओं पर पैनी नजर रखते और घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो उस पर चर्चा कर किसी तरह जिम्मेदारों को सतत जगाने का प्रयास कानाफूसी से करते, ऐसे बुद्धिजीवी हालांकि समाज के सामने सीधे तौर पर नहीं आते लेकिन मन मनोसकर यदा कदा आ भी जाते उन्हीं में एक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा जो नगर के गणमान्यों की श्रेणी में ही नहीं आते, उनका प्रभाव आम नागरिकों सहित प्रशासनिक अधिकारियों पर सीधे देखने को मिलता कुछ दिन पहले ही उन्होंने नगर में बस- स्टैंड के पास पकड़ाई अवैध शराब को लेकर प्रशासन को झकझोर देने वाला सटीक और उचित पत्र लिखकर नगर में हलचल मचा दी थी ऐसी हलचल नगर के एक अन्य बुद्धिजीवी शंभू नाथ गुप्ता भी नर्मदा जयंती पर स्व. ज्ञानी मस्ते को संबोधित कर सार्वजनिक चिट्ठी लिखकर नगर वासियों को जगाने का प्रयास करते अब यह अलग बात है कि, नागरिक जागे तो भविष्य का भला नहीं जागे तो कोई क्या कर सकता..अब उम्मीद की जा रही नगर में हालिया एक वकील की आम सूचना श्रीमती किरण शर्मा पति हरि शर्मा के भूखंड को लेकर प्रकाशित की गई। उसका खंडन भी वकील ने पुनः नोटिस प्रकाशित कर किया, कि नोटिस प्रकाशित करवाने वाले द्वारा प्रामाणिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने का हवाला देते हुए प्रकाशित नोटिस का खंडन खुद जारी किया है। आखिर यह कैसी साजिश..? यहां नहर विभाग की जमीन कालोनाइजर बेंच रहा, दूसरी ओर नहर की जमीन पर नगरपालिका सुविधा देने के नाम पर परिषद में रास्ता निर्माण करने का अनुमोदन किया जा रहा..! फिर खेल प्रतियोगिता का आयोजन पहले नगर में खेल संघ करवाते थे और उन्हें सपोर्ट कालोनाइजर, बिल्डर सहित अन्य बड़े कारोबारी खेल संघ की आर्थिक मदद कर पर्दे के पीछे रहकर आयोजन और आयोजकों की गरिमा रखते थे लेकिन अब खेल प्रतियोगिता का आयोजन में ऐसे लोग आगे आ गये जिनका वास्ता खेल से नहीं.. खेल प्रेमी इसे अच्छा संकेत नहीं बताते वह सही भी है। नगर के खेल मैदान वैसे भी ठीक ठाक नहीं ? लावारिस हालत में जिन पर नवाचार के प्रयोग किए जाने लगे, खिलाड़ी और खेल गतिविधियों मैदानी रुप में तो ठीक नहीं लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर नर्मदापुरम का नाम आगे रहता है। ऐसे में नगर के जिम्मेदारों को इसकी कमान संभालेंगे की जरूरत है व्यक्तिगत कमजोरियों के कारण आखिर नगर और नगर के भविष्य को दांव क्यों लगाया जा रहा नगर वासी यह सवाल तो करते हैं..? लेकिन सामने आने से बचते हैं वह कहीं से ठीक नहीं ऐसे में आशा की एक किरण पं भवानी शंकर शर्मा ही दिखाई देती हैं। क्यों नहीं.. वे प्रशासन और ऐसे जिम्मेदारों को आईना दिखाने की जरूरत महसूस कर पा रहे, जो आने वाले दिनों नगर के भविष्य के लिए मुसीबत ही साबित होंगे...?

त्रिमूर्ति क्लब का अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन सम्पन्न

नरसिंहपुर। त्रिमूर्ति क्लब के तत्वधान पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन क्षेत्रीय विधायक जालम सिंह पटेल की अध्यक्षता एवं पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय कवि ओमपाल सिंह निडर के विशेष आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन अर्चन से हुआ। गायक सुधीर दुबे द्वारा देश भक्ति पूर्ण गायन प्रस्तुत किया गया। क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी ने क्लब द्वारा साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों पर अपने उद्बोधन में प्रकाश डाला। क्लब द्वारा पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल को श्री नरसिंह जनसेवा शिखर सम्मान, पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव को श्रीनरसिंह शिखर सेवा सम्मान, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश नेमा को श्रीनरसिंह साहित्य सेवा सम्मान, एवं पूर्व प्राचार्य आरके भट्ट को श्रीनरसिंह शिखर सेवा सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण का संचालन हास्य कवि डॉक्टर शंकर सहर्ष द्वारा किया गया।

कवि सम्मेलन का प्रारंभ बेतूल से आई शृंगार रस की कवयित्री सुश्री तनवी तिवारी द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ फिर उन्होंने अपनी चर्चित भ्रूण हत्या कविता पढ़कर कवि सम्मेलन को ऊंचाइयों प्रदान कर दीं। उन्होंने पढ़ा -

स्वर्ण दान, भूदान कहां, दानों का दान बताना।
क्या तुम पापा भूल गए हो, कन्यादान कराना।।
आज मारने मम्मी पापा, आगे तुम मत आना।
भारत भू पर मुझको आकर, कुछ कर्तव्य निभाना।।

अछा से आए फिल्मी गीतकार श्री गीतेश्वर बाबू घायल के गीत खूब सराहे गए उन्होंने कवि सम्मेलन को ऊंचाइयां प्रदान करते हुए पढ़ा -

एक कतरे को समंदर कह दिया तो कह दिया।
हमने प्यादे को कलंदर कह दिया तो कह दिया।
हौसलों की बात है ये क्यों डरे किससे डरे।
हमने खुद को गर सिकन्दर कह दिया तो कह दिया।

देवनगर (रायसेन) से पधारे हास्य कवि दिनेश यामिन के खूब तालियां बजवाई उन्होंने पढ़ा--

हम चाहते हैं आचरण सब शुद्ध हो जाएं।
रहे बस शांति अंतःकरण से बुद्ध हो जाएं।
मगर जब साजिशें चाले कुचाले सर उठाती हैं
फिर हम ठानते हैं इनके वध
को को युद्ध हो जाएं।।

जीव अमृत ने बदली फसलों की सूरत

गोबर में डालते ही बढ़ जाती है खाद की गुणवत्ता, पढ़िए कैसे बनाएं घर पर ही बेहतर खाद

बैतूल। मौजूदा दौर में खेती पर पड़ते रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव के चलते जैविक खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ता जा रहा है। ऐसे में वर्मी कम्पोस्ट खाद से लेकर जैविक खादों की कई किस्में सामने आ रही हैं। इन सबके बीच आज हम आपको एक ऐसी खाद से रूबरू कराएंगे जो खेती के लिए अमृत का काम कर रही है। जिसे किसान जीव अमृत की संज्ञा दे रहे हैं। जो गोबर में डालते ही खाद की गुणवत्ता को सौ गुना ज्यादा कर देता है।

जैविक खेती की तरफ बढ़ते किसानो के कदमों को बैतूल जिले में एक खास किस्म के खाद ने और तेज कर दिया है। जिले के चिचोली इलाके के दर्जनों गांवो में किसान अपने कूड़े के ढेरों पर पड़े रहने वाले गोबर को एक खास पद्धति से खास बना रहे है। जिसे नाम दिया गया है जीव अमृत। इलाके में किसानों के बीच काम कर रही ग्रामीण विकास संस्था ने इस खाद के तरीके को तैयार किया है। जिससे फसलों पर इस्तेमाल के नतीजे भी मिल रहे हैं।

ऐसे तैयार होता है जीव अमृत- दरअसल, किसान वर्मी कम्पोस्ट या जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया को उबाऊ मानते हैं। गड्ढा तैयार करना, पानी सींचना, तैयार खाद एकत्रित करना आदी कामों के लिए किसानों को समय नहीं है, इस वजह से खाद सही नहीं बन पा रही है। जिसके विकल्प के तौर पर यह तरीका अपनाया गया है। ग्रामीण विकास संस्था के संयोजक अनिल भुसारी के मुताबिक जीव अमृत को तैयार करने के लिए सबसे पहले 10 किलो देसी गाय का मूत्र, 10 किलो देशी गाय का गोबर, बड़ या पीपल के पेड़ के नीचे की आधा किलो मिटटी, मूंग उड़द बरबटी की दालों को पिसवाकर उनका आटा तैयार कर लोइयां बनाते हैं। लोइयों को गोबर गौमूत्र के घोल में डालकर मिलाकर घोल को 12 दिन तक ढंककर रख दिया जाता है। 12 दिन बाद इस घोल को छानकर गोबर कूड़े के ढेर में गड्ढे कर डाला जाता है। कुछ दिन बाद ही इस जीव अमृत की वजह से कूड़े के ढेर का कूड़ा कम्पोस्ट खाद की शक्ल में तैयार हो जाता है।

18 गांव में बायो डायनामिक खाद- ग्रामीणों के तैयार किए गए इस जीव अमृत से चिचोली खंड के 18 गांव में 114 स्थानों पर किसानों ने इस जीव अमृत के प्रयोग से प्राकृतिक सूपा बायो डायनामिक खाद तैयार की है। खास बात यह है की 90 दिन में तैयार होने वाली वर्मी कम्पोस्ट इस प्रक्रिया की वजह से मात्र 50 से 60 दिन में तैयार हो जाती है। इस पद्धति के अलावा 20 गांव में 400 किसान वर्मी खाद भी तैयार कर रहे हैं।

फसल में बढ़ोतरी और गुणवत्ता में सुधार

जीव अमृत का इलाके के किसान खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। अपने कूड़ों के ढेरों पर जीव अमृत के घोल से किसान अधिक तादाद में केंचुआ तैयार कर गोबर को खाद के रूप में परिष्कृत कर रहे हैं। अपनी सब्जी की खेती, फलों के बगीचों और अन्य परंपरागत फसलों पर किसान इससे बनी खाद डालकर अच्छा उत्पादन ले रहे हैं। महिला किसान सविता बताती हैं कि जीव अमृत से उनके पपीते के बगीचे और अन्य फसलों पर व्यापक असर पड़ा है। इससे उपज न केवल बढ़कर मिल रही है, बल्कि उसकी गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। जैविक खेती के जानकार भी जीव अमृत से तैयार खाद के तरीके को प्रमाणित कर रहे हैं। वे इससे फसलों की वृद्धि रोग प्रतिरोधक क्षमता के विस्तार होने का भरोसा जताते हैं।

विशेषज्ञों की मदद से आया आइडिया

जीव अमृत तैयार करने का यह आइडिया ग्रामीणों को महाराष्ट्र के कृषि जानकार अमोल पालेकर के आइडिया से आया। खेती में रसायनों के इस्तेमाल से गिर रहे कृषि उत्पादन से चिंतित किसानों ने जब अपनी समस्या अमोल से साझा की तो उन्होंने जीव अमृत का यह आइडिया किसानों को दिया। अमोल जीरी बजट खेती पर कई प्रयोग कर चुके हैं। उन्होंने ही जीव अमृत बनाने की इस प्रक्रिया से किसानों को अवगत कराया।

बैतूल के किसानों के इस प्रयोग से फसलों के फलने-फूलने की रफ्तार से साफ है की जीव अमृत न केवल कारगर है बल्कि यह प्रक्रिया के लिहाज से भी सरल और सुलभ है। ऐसे में अगर आम किसान इसे अपनाता है तो यह जैविक खेती की दिशा में अच्छा कदम होगा।

पत्नी ने पति को पीटा : पहले मुंह पर मिर्ची पाउडर फेंका, फिर ईंट मारकर फोड़ा सिर

बैतूल। एक दंपती के बीच सिर फुटौव्वल हो गया। जिसमें पत्नी की पिटाई से पति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। गुस्साई पत्नी ने उसे न केवल पीटा बल्कि उस पर मिर्च पाउडर भी उड़ेल कर सिर फोड़ दिया। घटना घोड़ाडोंगरी इलाके के जाखली की है।

जिला अस्पताल में भर्ती पंकज (26) के परिजनों के मुताबिक, शनिवार रात पंकज शराब के नशे में घर पर आया था। जिसके बाद पत्नी का विवाद हो गया। इसी वजह से पत्नी वर्षा ने गुस्से में पंकज का मोबाइल तोड़ दिया। इसी वजह से पंकज ने वर्षा को एक तमाचा मार दिया। जिसके बाद गुस्साई पत्नी वर्षा ने पहले तो मिर्ची का मसाला अपने पति के मुंह पर डाल दिया। जब वह मिर्च की जलन से तड़प रहा था, उस दौरान वर्षा ने ईंट से उसके सिर पर हमला कर दिया। जिसमें युवक के सर में गंभीर चोटें आई हैं। जिसे तत्काल परिजन 108 की सहायता से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे और भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर है। पूरे मामले की शिकायत हॉस्पिटल चौकी में दर्ज करवाई है। जिस पर मामले की तहरीर घोड़ाडोंगरी पुलिस चौकी को भेजी गई है। पीड़ित के फिलहाल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

मोबाइल बना झगड़े की जड़- दरअसल, पति पत्नी के बीच झगड़े की जड़ एक मोबाइल बना। वर्षा ने जो फोन तोड़ा, वह पंकज के दोस्त का था। जिससे उसे रुपए वापस लेना था। दोस्त ने रुपए वापस नहीं दिए थे तो पंकज उसका मोबाइल उठा लाया था। इसी मोबाइल को वर्षा ने फोड़ दिया था। जिससे नाराज पंकज ने वर्षा को पीटा, तो फिर उसी की शामत आ गई।

युवक की पिटाई पर जयस मुखर

कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी, अवैध शराब बिक्री के शक में युवक की पिटाई का मामला

बैतूल। आमला में शराब बिक्री के शक में की गई युवक की पिटाई मामले में जयस संगठन सड़क पर उतर आया है। संगठन का आरोप है कि आमला ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों शराब ठेकेदार की गुंडागर्दी से गरीब आदिवासी काफी परेशान है। देवस्थल में तोड़फोड़ करने के साथ ही आदिवासियों के साथ मारपीट भी की जा रही है।

इस मामले में जय आदिवासी युवा शक्ति जयस संगठन और समस्त आदिवासी समाज संगठन द्वारा कलेक्टर-एसपी से शिकायत की है। संगठन ने शिकायत आवेदन के माध्यम से कई गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत आवेदन में बताया गया कि 28 अक्टूबर को अंबीलाल इवने (40) निवासी ठानी को शराब ठेकेदार के आठ लोगों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। इवने को हाथ, पैर, सर में बुरी तरीके से चोट आई है जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में करवाया जा रहा है।

जयस ब्लॉक कोषाध्यक्ष गोविंद उइके ने बताया आबकारी विभाग ने नशा मुक्त अभियान के नाम पर ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की आड़ में प्रताड़ित

किया जा रहा है। घर-घर में घुसकर तलाशी की जाती हैं, गाली देकर ग्रामीणों पर झूठे प्रकरण बनाए जाते हैं। इस बात से नाराज होकर जय आदिवासी युवा शक्ति एवं सैकड़ो ग्रामीणों की मौजूदगी में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की।

अधिवक्ता राकेश महाले ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी, दलित या अन्य कमजोर वर्ग के साथ कोई भी अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने की अज्ञात लाश की शिनाख्ती

घर से भागा युवक डेढ़ माह से था लापता, दोस्त के साथ गांव आया पर घर नहीं पहुंचा

बैतूल। पाढर पुलिस चौकी इलाके में शनिवार को संदिग्ध हालत में मिली अज्ञात युवक की की लाश की शिनाख्त हो गई है। युवक डेढ़ माह से लापता था। पत्नी से झगड़े के बाद उसने घर छोड़ दिया था। युवक की पहचान चिखली के अशोक इवने के रूप में हुई है।

पाढर अस्पताल कॉलोनी के बाहर स्थित खेत के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, युवक के पास एक काले रंग का बैग मिला था। जिसमें कपड़े रखे थे। मृतक के पास कोई आईडी प्रूफ, आधार कार्ड या वोटर आईडी नहीं मिला था। जिसकी वजह से व्यक्ति की शिनाख्त नही हो सकी। अस्पताल कॉलोनी के बाहर स्थित खेत मालिक ने सबसे पहले यह शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस चौकी प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया था की मृतक के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। रविवार को युवक की शिनाख्ती शाहपुर थाना इलाके के चिखली माल निवासी अशोक मुन्नलाल इवने (30) के रूप में हुई।

घर से भागा था झगड़कर- मामले की जांच कर रहे एएसआई अजय भाट ने बताया कि अशोक का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसके चलते वह नाराज होकर घर से कहीं चला गया था। जिसके बाद परिजनों ने डेढ़ माह पहले उसकी शाहपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका था। बताया जा रहा है कि घर से भागने के बाद उसने कई दिनों तक बैतूल मंडी में काम किया। उसके बाद वह ट्रक पर चलने लगा। 25 तारीख को वह अपने घर वापस आया था। लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। पुलिस के मुताबिक वह एक साथी के साथ शराब पीकर गांव तक भी आया, लेकिन घर नहीं पहुंचा। वह गांव से ही वापस लौट आया। आशंका है की शराब के नशे के दौरान ही उसकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। पुलिस ने आज परिजनों से शिनाख्त करवाकर शव को पीएम के लिए भेजा है।

गुरु महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर कृष्ण भक्त आत्म विभोर हुए...

नर्मदापुरम। गोवर्धन स्थित मुकुंद गार्डन में चल रहे व्यास पूजा फेस्टिवल के 65 वे वार्षिकोत्सव समारोह में नर्मदापुरम इस्कॉन मंदिर परिवार प्रमुख प्रणव दास प्रभु के नेतृत्व में आज सभी कृष्ण भक्तों ने भक्ति विकास स्वामी महाराज से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया महाराज श्री ने इस दौरान सभी नर्मदापुरम कृष्ण भक्तों से पूछा कि कृष्ण भक्ति से सभी खुश है ना.. गुरु महाराज के इस सवाल पर सभी कृष्ण भक्तों ने एक स्वर में जवाब दिया कि कर रहे भक्ति से बहुत अधिक खुश है कहकर महाराज श्री

को अतिप्रसन्न कर दिया, महाराज श्री ने सभी कृष्ण भक्तों को कर रहे कृष्ण भक्ति में उनकी उत्तरोत्तर वृद्धि हो का आशीर्वाद प्रदान किया।

एक्ट-ईव फाउंडेशन ने ग्रामीण स्कूल के बच्चों को दी, 50 सेट फर्नीचर सौगात, जमीन पर बैठ कर पढ़ने वाले बच्चों के चेहरे खिल उठे

देवास । सामाजिक संस्था एक्ट-ईव एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा एक गरिमामयी कार्यक्रम के माध्यम से सिंगावदा संकुल के ग्राम टिगरिया सांचा के सरकारी स्कूल के बच्चों को 1 लाख सत्तर हजार कीमत के 50 सेट फर्नीचर की सौगात दी। बीते कई सालों से जो बच्चे ज़मीन पर बैठकर पढ़ाई करते थे, फर्नीचर देखकर उनके चेहरे खिल उठे।

संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा तथा सचिव किशोर असनानी ने बताया कि संस्था विगत 7 वर्षों से समाज सेवा के कामों में संलग्न है । संस्था द्वारा अभी तक ग्रामीण क्षेत्र के 12 से अधिक सरकारी स्कूलों में 300 फर्नीचर दिए है जिनका लाभ हज़ार से ज्यादा बच्चे ले पा रहे है । टिगरिया में 50 सेट फर्नीचर ग्रामवासियों और अध्यापकों के तथा समाजसेवियों की आर्थिक सहायता से संभव हुआ है। इस अवसर पर संस्था द्वारा बच्चों के लिए एक कम्प्यूटर सेट भी भेंट किया गया ।

कार्यक्रम में अतिथि रूप में उपस्थित शिक्षाविद विजय श्रीवास्तव,साहित्यकार जीवनसिंह ठाकुर, समाजसेवी गणेश पोहानी,रोहित अग्रवाल,भानुप्रतापसिंह राणा,दिलीप हिंदुजा,आकाश मुंदड़ा दुबई तथा ग्राम सरपंच महेन्द्र सिंह झाला उपस्थित थे । अतिथियों ने संस्था द्वारा किये जा रहेइन कामों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रकल्प में सहयोगी संतोष मर्सकुले, शुभा सोनी,परमार सर,विजया पाटिल तथा पाटीदार मेडम के साथ आकाश मूंदड़ा,चुन्नीलाल पोहानी,रोहित अग्रवाल, भानुप्रतापसिंह राणा,तथा दिलीप हिंदुजा को संस्था द्वारा सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में वीरेंद्र गौड़,योगेंद्रसिंह चावड़ा,किशोर कनासे,मुकेश तिवारी,प्रदीप शर्मा,किशोर जोशी, संतोष विजयवर्गीय, अमल बेरा,आलेख वर्मा, सोनम राजोरा, वंदना शर्मा, मनीषा असनानी,सविता चावड़ा, श्रीमती बापट,मुर्तज़ा अली, श्री चौधरी,तथा इन्दौर से आये सुनील तनवानी, तथा श्री कौर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किशोर असनानी ने किया तथा आभार संस्था प्राचार्य संतोष मर्सकुले ने माना।

महापौर श्रीमती राय छठ पूजा महापर्व के कार्यक्रमों में हुई सम्मिलित, बधाई एवं शुभकामनाएं दी

खटलापुरा, शीतल दास की बगिया, 05 नंबर स्टॉप, अशोका गार्डन एकतापुरी आदि स्थानों पर आयोजित छठ पूजा महापर्व के कार्यक्रमों में हुई सम्मिलित

भोपाल। छठ पूजा महापर्व के अवसर पर शहर के विभिन्न छठ पूजा घाटों/स्थलों पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी की विशेष उपस्थिति में छठ पूजा महापर्व कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें महापौर श्रीमती मालती राय ने भी शामिल होकर छठ मैया की पूजा-अर्चना की और नागरिकों की भलाई, खुशहाली तथा समृद्धि की कामना की तथा नागरिकों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महापौर श्रीमती मालती राय का सम्मान समितियों द्वारा शॉल-श्रीफल व प्रशस्ति पत्र भेंट कर किया गया।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने करोंद काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर स्थित सूर्यकुंड में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान सूर्य को अर्ध्य दिया। इसके अतिरिक्त मंत्री श्री सारंग संजीव नगर, राजेन्द्र नगर, एकतापुरी, सुभाष नगर, अन्ना नगर, हताईखेड़ा, आनन्द नगर, शीतल दास की बगिया आदि स्थानों पर स्थित छठ पूजा घाटों पर छठ पूजा महोत्सव में सम्मिलित हुए और नागरिकों को शुभकामनाएं दी।

छठ पूजा के अवसर पर रविवार को सांय महापौर श्रीमती मालती राय खटलापुरा, शीतल दास की बगिया, 05 नंबर स्टॉप, स्व.कैलाश जोशी पार्क एकतापुरी अशोका गार्डन, स्व. कैलाश नारायण सारंग जी पार्क तथा सुभाष कालोनी अशोका गार्डन में आयोजित छठ पूजा महापर्व कार्यक्रमों में सम्मिलित हुई। उक्त कार्यक्रमों में पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, पार्षदगण पप्पू विलास, योगेन्द्र सिंह चौहान गुड्डू, सूर्यकांत गुप्ता सहित अन्य पार्षदगण व सतीश विश्वकर्मा सहित विभिन्न छठ पूजा आयोजन समितियों के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद थे।

सूने मकान के चोरों ने चटकाये ताले, जेवरात, नकदी पर किया हाथ साफ

भोपाल। शहर के निशातपुरा थाना इलाके में सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए चोर जेवरात, नकदी पर हाथ साफ कर चंपत हो गये। घटना के समय फरियादी परिवार सहित शहर से बाहर गये थे। पुलिस के अनुसार रिंग गार्डन में रहने वाले फरियादी रवी कुमार मीना ने अपनी शिकायत मे बताया की बीती 26 अक्टूबर को वो निजी कार्य के चलते परिवार सहित शहर से बाहर गये थे। देर रात करीब 12 बजे जब वो वापस घर लौटे तो देखा कि मकान के दरवाजे पर लगा ताला टूटा पड़ा था।

तीसरी मंजिल से गिरकर भेल के रिटायर्ड कर्मचारी की मौत

भोपाल। *अशोका गार्डन इलाके में अपने मकान की तीसरी मंजिल से गिरकर भेल के रिटायर्ड कर्मचारी की मौत हो जाने की घटना सामने आई है। पुलिस का कहना है की फिलहाल साफ नहीं हो सका है, की मृतक की मौत हादसा है या आत्महत्या। मर्ग कायम कर पुलिस आगे की जाँच कर रही है। थाना पुलिस ने बताया की परिवार के साथ हिनौतिया मे रहने वाले 70 वर्षीय भैयालाल ठाकुर भेल से रिटायर्ड थे, और कई बीमारियों के साथ ही उन्हे मानसिक रोग भी था। परिवार वाले उनका इलाज करा रहे थे, लेकिन उन्हे मानसिक बीमारी मे अधिक फायदा नहीं हो रहा था। मानसिक रोग के कारण बीते समय वो घरवालो को बिना बताये लापता हो गेय थे, परिवार वालो ने उनकी गुमशुदगी थाने में दर्ज कराई थी, हालांकि एक दिन बाद वो घर लौट आए थे। बताया गया है की बीती रात खाना खाने के बाद करीब 11 बजे वो घर की तीसरी मंजिल पर चले गए। वहां से अचानक वो नीचे जमीन पर जा गिरे। उनके गिरने के कारण हुई तेज आवाज से परिवार वालो बाहर आकर देखा तो भैयालाल खूने से लथपथ पड़े नजर आये, काफी उचाई से गिरने कारण उनकी मौत हो गई थी। परिवार वालो ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है, की जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के सही कारणो का खुलासा हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।*

मेहनती कार्यकर्ताओं को मिलेगी जिलों की कमान

कमलनाथ के निशाने पर हैं करीब 25 से 30 जिलाध्यक्ष

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस में व्यापक बदलाव किया जा रहा है। प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने इसके संकेत दे दिए हैं। सभी 52 जिलों के संगठन प्रभारी बदलने के बाद कमलनाथ अब जिलों के अध्यक्षों को बदलने के मूड में दिखाई दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार जिन पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की परफॉर्मेंस संतोषजनक नहीं है उन्हें बदला जा सकता है।

बताया जाता है कि करीब 25 से 30 जिलाध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष के निशाने पर हैं। इनकी जगह पार्टी परिणाम देने वाले और मेहनती कार्यकर्ताओं को मौका देगी। पीसीसी के सूत्रों के अनुसार आधे जिलों के कांग्रेस अध्यक्षों को बदला जा सकता है। इनमें निष्क्रिय जिलाध्यक्षों के साथ ही ऐसे जिलाध्यक्ष भी शामिल हैं जिन्होंने निकाय चुनाव में पार्टी के

साथ गड़बड़ी की। ऐसे कांग्रेस नेताओं की छुट्टी तय है। दरअसल प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस सक्रिय हो चुकी है।

मप्र कांग्रेस ने कांग्रेस संगठन को मजबूती देने की कवायद शुरू कर दी है। हाल ही में नगरीय निकाय चुनाव में 5 नगर निगमों में कांग्रेस को मिली कामयाबी से कार्यकर्ताओं के हौसले भी बुलंद हुए हैं। इसके बाद कमलनाथ ने प्रदेश में कांग्रेस को जमीनी स्तर पर खड़ा करने की पूरी जिम्मेदारी खुद ले ली है। वे विधायकों से जिलाध्यक्षों का प्रभार भी वापस ले रहे हैं। उनके स्थान पर पार्टी के फुल टाइम वर्कर को कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाया जा रहा है।

ये होंगे बदलाव

कांग्रेस के निष्क्रिय जिलाध्यक्षों की छुट्टी होगी। पीसीसी सूत्रों के मुताबिक करीब 25 से 30 जिलों के अध्यक्षों को बदला जा सकता है। इनमें निकाय चुनाव में गड़बड़ी करने वाले जिलाध्यक्ष भी हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 22 विधायकों द्वारा भाजपा का दामन थाम लेने के बाद कांग्रेस में संगठन की कमान विचारधारा पर अडिग रहनेवाले कार्यकर्ताओं के हाथ में देने की तैयारी है।

डकैत गुड्डा गुर्जर पुलिस के लिए बना सिरदर्द

आईजी ने इनाम बढ़ाने पुलिस मुख्यालय को लिखा पत्र

भोपाल। चंबल अंचल में इस समय 60 हजार का इनामी कुख्यात डकैत गुड्डा गुर्जर पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुका है। चंबल संभाग के आईजी राजेश चावला ने गुड्डा गुर्जर पर इनाम बढ़ाने के लिए प्रतिवेदन पुलिस मुख्यालय भेजा है। जिससे डकैत गुड्डा गुर्जर की इनाम बढ़ाई जाए। डकैत गुड्डा गुर्जर के खिलाफ लूट, डकैती, हत्या, हत्या के प्रयास जैसे 26 से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। मुरैना पुलिस अधीक्षक की एडी टीम से गुड्डा गुर्जर पर 4 बार शॉटएनकाउंटर हुआ है, लेकिन गुड्डा हर बार पुलिस से निकल जाता है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागर ने बताया है कि गुड्डा पुलिस के लिए भी अब सिरदर्द बन गया है। उनकी गिरफ्त में नहीं आ पा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी चंबल आईजी और पुलिस अधीक्षक को भी सख्त लहजे में कहा कि डकैत गुड्डा गुर्जर मध्यप्रदेश की छवि खराब कर रहा है। इसलिए इस डकैत को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देश भी हवा हवाई होते नजर आ रही है। डकैत गुड्डा गुर्जर अभी भी पुलिस की गिरफ्त से काफी दूर है। हालांकि पुलिस अधीक्षक ने आधा दर्जन से अधिक टीम गठित कर पहाड़गढ़ और चंबल इलाके में गुड्डा को पकड़ने के लिए भेजा है। वहीं कांग्रेस की माने तो भाजपा के नेता और पुलिस के अधिकारियों को डकैत गुड्डा गुर्जर का संरक्षण है।

संपादकीय

बेतुके बयान

यहां तक कि वे मजाक तो अपने प्रतिद्वंद्वी का बनाना चाहते हैं, मगर हंसी का पात्र वे खुद बन जाते हैं। फिर भी खुद को सही साबित करने की जिद नहीं छोड़ते। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ भी केंद्र सरकार की खिल्ली उड़ाने की कोशिश में यही हो रहा है।

डालर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत को लेकर केंद्र पर तंज कसते हुए उन्होंने कह डाला कि अब देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए देवी-देवताओं के आशीर्वाद की जरूरत है। इसके लिए भारतीय नोटों पर गांधी जी की तस्वीर के साथ लक्ष्मी और गणेश का चित्र भी छापना शुरू कर देना चाहिए। इस तरह रुपए पर उनकी कृपा बनी रहेगी। अपनी बात में वजन डालने के लिए उन्होंने इंडोनेशिया के रुपए पर गणेश जी की तस्वीर छापने का उदाहरण भी दे दिया। स्वाभाविक ही उनके इस बयान को लेकर भाजपा को निशाना साधने का मौका मिल गया है। वह चुन-चुन कर उनके वे सारे बयान गिना रही है, जब केजरीवाल ने ऐसे प्रयासों के लिए भाजपा का विरोध किया था।

गुजरात के विधानसभा और दिल्ली नगर निगम के चुनावों में आम आदमी पार्टी भाजपा को पटखनी देने के दावे कर रही है। इस तरह वह केंद्र सरकार की सारी नाकामियां गिनाती फिर रही है। इसी क्रम में केजरीवाल ने रुपए की हालत को मुद्दे के रूप में उठा लिया। मगर वे अर्थव्यवस्था को लेकर बात करते, तो शायद उतनी अटपटी न लगती, जितनी रुपए के स्वरूप को बदलने की उनकी सलाह लगी।

छिपी बात नहीं है कि आम आदमी पार्टी भाजपा को उसके ही हथियार से हराना चाहती है। इसी कोशिश में केजरीवाल बार-बार खुद को भाजपा से अधिक राष्ट्रवादी और हिंदू हितैषी साबित करने का प्रयास करते दिखते हैं। पूरी दिल्ली में तिरंगा लगाने का मामला हो या फिर बुजुर्गों को तीर्थयात्रा पर भेजने का, हर मंच से इन्हें अपनी बड़ी उपलब्धियों में गिनाते रहे हैं।

रुपए पर हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीर छापने की सलाह भी उन्होंने इसी मंशा से दी कि इस तरह वे हिंदू वोटों को अपने पक्ष में कर सकेंगे। ऐसा नहीं माना जा सकता कि उन्हें इस बात की समझ न हो कि भारतीय रुपए पर किसी देवी-देवता की तस्वीर न छापने के पीछे मकसद क्या है। हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों पर बल देता है। यह ठीक है कि चुनावी माहौल में मतदाता चुटीले बयानों को देर तक याद रखते हैं। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं लगाया जा सकता कि इसका लाभ उठाने के लिए बेतुके बयान दिए जाएं। अरविंद केजरीवाल मुफ्त की सेवाओं का दावा कर जनमत अपने पक्ष में करने का नुस्खा लंबे समय से आजमाते आ रहे हैं। इससे लोग प्रभावित भी हैं, फिर उन्हें ऐसी क्या मजबूरी हो गई कि धार्मिक भावनाओं से खेलना शुरू कर दिया।

क्या वास्तव में आम आदमी पार्टी के अपने मूलभूत सिद्धांतों से यह बयान कहीं मेल खाता है, जिसका सहारा उन्होंने लेना शुरू किया है। यह बयान देकर उन्होंने भाजपा को तो घेरने का मौका दे ही दिया है, दूसरे धर्मों और आस्था के लोगों या फिर पंथनिरपेक्ष मतदाताओं को नाराज करने का ही काम किया है। सत्ता हासिल करने के लिए कुछ भी दांव चल देना न सिर्फ लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है, बल्कि पार्टी की सैद्धांतिक जमीन पर भी सवाल खड़े करता है।

राष्ट्रीय एकता के हिमायती थे सरदार पटेल

(31 अटूबर जयन्ती पर विशेष)

लेखक – रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चैथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली।

सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतरू नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की वैथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली।

देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छः सौ छोटी- बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए आसान नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे।

ई-कचरे की बढ़ती र तार

शबीर काद्री

वैश्विक बाजार ने जीवनोपयोगी आवश्यक वस्तुऐं सुदूर देशों से लाकर हमारे दरवाजे पर उपलब्ध करा दी हैं और तेजी से गतिमान अनुसंधान, उत्पादों की नई श्रंखला को आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम से परिवार के हर एक सदस्य की इच्छापूर्ति हेतु उकसा रहा है यह सिद्धांत भी है कि बाजार जब उछाल मारता है तो मांग सहसा ही उससे अधिक गति से बढ़ जाती है। जाहिर है उपयोग की जा रही वस्तुओं का बड़ा भाग नई तकनीक के उत्पाद आ जाने से कबाड़ का रूप धारण कर नई समस्या को पैदा करता है। इन दिनों ई-कचरे के रूप में जिन्हें चिन्हित गया है कि वे खराब के यूटर मॉनिटर, मदरबोर्ड, पीसीबी, केथोड़ रे ट्यूब, चार्जर, मोबाइल फोन, खराब सीडी, हेडफोन, क्रिस्टल डिस्पले-प्लाज्मा टीवी, खराब ऐसी और रेफ्रीरेजर सहित वैज्ञानिक अनुसंधन से जुड़े उपकरण और चिकित्सालयों के अत्याधुनिक उपकरण इत्यादि हैं। विकासशील देश इस कबाड़ के ठिकाने वाला एक आसान शिकार बन कर विकसित देशों को और अधिक उन्नत बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं साथ ही अपने साथ ढ़ेरों बीमारियां और विसंगतियों को झेलने को अभिशप्त भी होते हैं मजबूर भी और लाचार भी। हाल ही में ऐसोचेम-सीकाइनेटिक्स की एक रिपोर्ट ने देश में ई-कचरे से संबंधित कुछ डरावने आंकड़े प्रकाशित किए हैं जिनसे देश के पर्यावरण पर पड़ने वाले घातक प्रभाव की संभावना कई गुना बढ़ गई है।

रिपोर्ट बताती है कि विश्व में हम वर्तमान में ई-कचरा आयात करने वाले देशों में पांचवे न बर पर हैं जबकि ई-कचरे में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि आज भी हमारे यहां प्रतिवर्ष जारी है जो वर्तमान 18 में लाख मीट्रिक टन है। अध्ययनकर्ताओं का मत है कि आने वाले चार वर्षों में तीन यह गुना बढ़कर 52 लाख मीट्रिक टन हो सकता है जबकि वैश्विक स्तर पर यह कचरा लगभग साढ़े नौ करोड़ टन आंका गया है जो वर्ष 2018 तक बढ़कर 13 करोड़ टन हो सकता है। वर्ष 2014 में ही ई-कचरे की मात्रा विश्व में साढ़े चार करोड़ टन के आसपास आंकी गई थी यदि इसे ट्रकों में रखा जाए तो 11.5 लाख बड़े ट्रक्स की आवश्यकता पड़ेगी जबकि इतनें ट्रक्स को कतारबद्ध खड़ा करने पर 8000 कि.मी. की पंक्ति बन सकती है। तेजी से बढ़ते ई-कचरे का स्वदेशी स्रोत हमारे यहां शासकीय कार्यालयों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, बैंक सेक्टर के साथ औद्योगिक सस्थानों, शिक्षण संस्थानों, चिकित्सालयों और मोबाईल फोन के साथ निजी एवं घरेलू उपयोग का क्षेत्र भी बहुत अधिक योगदान है जो पुराने यंत्रों को कबाड़ में तब्दील कर अत्याधुनिक उपकरणों का रूप धारण करता है। जिस मात्रा में यह कचरा हमारे यहां एकत्रित होता है उसमें क ष्यूटर क्षेत्र 75 प्रतिशत, दूरसंचार उपकरण 12 प्रतिशत, विद्युत उपकरण 8 प्रतिशत, चिकित्सा उपरकण 7 प्रतिशत और घरों से निकलने वाला वेस्ट 4 प्रतिशत माना गया है।

हमारे यहां मुंबई में 1,20, 000 टन अर्थात कुल कचरे का 6.5 प्रतिशत जबकि एनसीआर दिल्ली में 98,000 टन प्रतिशत, चेन्नई में 67,000 टन, कोलकाता में 55,000 टन, अहमदाबाद में 36 हजार टन, हैदराबाद में 32,000 टन और पुणे में 26,000 टन प्रतिवर्ष ई कचरा निकल रह है। जाहिर है सरकारी स्तर पर ई-कचरे का उत्पादन अत्यधिक पाया गया है इसके बाद घरेलू उपयोग से निकलने वाला कचरा फिर औद्योगिक स्तर पर निकलने वाला वेस्ट होता है। इस कचरे में सर्वाधिक घातक क ष्यूटर, टेलीवीजन और मोबाइल फोन का कचरा होता है क्योंकि इसमें सीसा, पारा और केडमियम की मात्रा पाई जाती है अत्याअधु होने के कारण ये जल्दी खराब होकर कचरे में परिवर्तित हो जाते हैं जबकि इसकी केवल 1.5 प्रतिशत ही रिसाईकिल हो पाती है क्योंकि इसके लिये न तो पर्याप्त प्रभावी कानून हैं और न ही आधारभूत ढ़ांचा। इसी कारण जबकि असंगठित क्षेत्र के मजदूर और कबाड़ी बाजार इस कचरे का 95 प्रतिशत से अधिक निष्पादन करते हैं। इस निष्पादिक कचरे को जहां फेंका जाता है वहां की जमीन, वायु और जल घातक रूप से प्रदूषित हो जाता है। इसके असुरक्षित निष्पादन से फैलने वाला प्रदूषण तंत्रिका तंत्र, रक्त संचार प्रणाली, गुर्दा रोग, मस्तिष्क के विकास पर गंभीर असर डालता है। देखा गया है कि इसके स्थानीय और असुरक्षित निष्पादन में संलग्न मजदूर इत्यादि जल्दी ही अनेक रोग से ग्रस्त हो अकाल मृत्यु प्राप्त करते हैं।

देश में सूचना प्रोद्योगिकी का सर्वाधिक बड़ा क्षेत्र बंगलूरू है जहां लगभग 2 हजार आईटी कंपनियां कार्यरत हैं जिनसे प्रतिवर्ष 8 से 10 हजार टन ई कचरा निकल रहा है। सॉ टवेयर टेक्नॉलॉजी ऑफइंडिया के अनुसार ई-कचरे का निष्पादन हमारे लिये पहली प्राथमिकता होना चाहिए क्योंकि इनमें 38 विभिन्न प्रकार के रासायनिक तत्व पाए जाते हैं जो पर्यावरणीय और स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकते हैं। यह भी दुखद है कि ई कचरा क्रय करने और उसके निष्पादन के लिए न तो कोई अनुमति जरूरी है और न ही वैज्ञानिक प्रक्रिया का अनुपालन। मध्यप्रदेश में खतरनाक अपशिष्ट (प्रबंधन, हैंडलिंग एवं सीमापार संचलन) अधिनियम-2008 में ही इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक वस्तुओं से निकलने वाले कचरे के प्रबंधन की व्यवस्था दो वर्ष पूर्व से ही प्रारंभ की गई है पर जि मेदार ऐजेंसी की उदासीनता के चलते इसकी अनदेखी के समाचार मिलते हैं। यही कारण है कि ई कचरा व्यवसाय में संलग्न प्रदेश के किसी भी अनधिकृत केता या निष्पादनकर्ता के विरूद्ध कोई बड़ा या प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। राजधानी में जरूर एक छोटा सा भंडारण स्थान निर्धारित किया गया है जहां आप जाकर इस प्रकार का कचरा दे सकते हैं पर क्या बड़े स्तर पर अवैधानिक रूप से क्रय और निष्पादित किए जा रहे इस कचरे का राज्य के पर्यावरण पर और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव भविष्य में नहीं पड़ने वाला है?

सुविचार

"पंछी कभी अपने बच्चों के भविष्य के लिए घोंसले बनाकर नहीं देते, वे तो बस उन्हें 'उड़ने' की कला सिखाते हैं"

'आधुनिक भारत निर्माण के मुख्य शिल्पकार सरदार पटेल'

(31 अटूबर सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती)

लेखक- डॉ. अशोक कुमार भार्गव

संपूर्ण भारत के लिए अदम्य शक्ति और फौलादी संकल्प के महानायक लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल आधुनिक भारत निर्माण के मुख्य शिल्पकार हैं जिन्होंने 565 देसी रियासतों का स्वतंत्र भारत में एकीकरण कर राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। इनके अतुल्य योगदान के बिना भारतीय मानचित्र का भव्य स्वरूप आज जैसा है वैसा दिखाई नहीं देता।उनके समग्र अवदान को कृतज्ञ राष्ट्र आज राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में नमन कर रहा है।

वल्लभ भाई का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था।वे बचपन से कर्मठ,निर्भीक और संकल्पवान थे। उन्होंने विद्यालय में गरीब विद्यार्थी पर लगाए अनावश्यक जुर्माने, शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को उनसे ही पुस्तकें खरीदने की अनिवार्यता के विरुद्ध सफल हड़ताल की जिससे उनकी नेतृत्व और संगठन क्षमता को विशिष्ट पहचान बनी। एंट्रेंस के बाद मुख्तारी परीक्षा पास कर गोधरा में वकालत शुरू की।वे इंग्लैंड से कानून की पढ़ाई करना चाहते थे किंतु अपनी इच्छा का बलिदान करते हुए बड़े भाई विट्ठल को अपने स्थान पर इंग्लैंड जाने की अनुमति दे दी । बाद में 1936 में पटेल ने इंग्लैंड से कानून की पढ़ाई कर अमदाबाद में सबसे सफल बैरिस्टर के रूप में ख्याति अर्जित की।

सरदार पटेल ने सरकार की अमानवीय बेगार प्रथा समाप्त कराने के बाद 1918 में खेड़ा के किसानों के लिए सत्याग्रह किया जहां भारी वर्षा व भीषण बाढ़ से किसानों की सारी फसल नष्ट हो गई थी। किन्तु सरकार ने कर वसूली स्थगित नहीं की। पटेल ने शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष का आह्वान किया और किसानों का विश्वास अर्जित करते हुए स्वयं विदेशी वस्तुओं का त्याग धोती कुर्ता टोपी पहन किसानों के बीच साथ में बैठ संघर्ष किया । अंततः वे दृढ़ संकल्प के कारण अपने उद्देश्य में कामयाब हुए। गांधीजी ने कहा यदि मुझे वल्लभभाई न मिले होते तो जो काम आज हुआ है वह नहीं होता।

सन 1928 में सरदार पटेल के नेतृत्व में बारडोली में सत्याग्रह प्रारंभ हुआ । अंग्रेज सरकार ने 1927 में किसानों पर 30त्न लगान बढ़ा दिया। गरीबी के कारण किसान कर चुकाने की स्थिति में नहीं थे । पटेल ने निर्णय लिया कि जब तक सरकार बढ़े हुए लगान की जांच कराने के लिए तैयार ना हो तब तक बिल्कुल भी लगान न दिया जाए। यदि सरकार

अत्याचार करती है तो भी सारे कष्टों को सहन करते हुए आंदोलन जारी रखा जाएगा। एक ओर दमनकारी अंग्रेज सरकार तो दूसरी और भोले-भाले निहत्थे अहिंसक किसान। मुंबई गवर्नर ने किसानों पर अमानुषिक अत्याचार शुरू कर हजारों किसान गिरफ्तार कर लिये।पटेल ने कहा कि ÷गोलियों बारूद वाली अंग्रेज सरकार ढोल नगाड़े की ध्वनि से भयभीत हो गई है। आज तो सरकार जंगल में घूमने वाले उस पागल हाथी की तरह मदोन्मत हो गयी है जो अपनी चपेट में आने वाले हर किसी को कुचल डालता है।परंतु एक भी मच्छर यदि हाथी के कान में घुस जाए तो विशालकाय शक्तिशाली हाथी भी जमीन पर गिरकर तड़पने लगता है।÷पटेल ने किसानों में अद्भुत साहस का संचार किया और किसानों की संगठन शक्ति के समक्ष अंग्रेज सरकार कमजोर पड़ने गई और बड़े हुए लगान को माफ कर दिया।इस आंदोलन की चमत्कारी कामयाबी से देशवासियों में नया आत्मविश्वास, स्वाभिमान, आशा और चेतना का संचार हुआ। गांधीजी ने आंदोलन की सफलता पर बारडोली के जननायक को सरदार कहकर संबोधित किया । तभी से वे समस्त भारतीय हृदय के सरदार हो गए । सरदार पटेल बापू के सजग अनुयायी थे किंतु अंधभक्त नहीं। उन्होंने गांधी द्वारा प्रारंभ किए गए सभी आंदोलनों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । असहयोग, स्वदेशी, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन, भारतीय ध्वज फहराने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के विरुद्ध नागपुर में झंडा सत्याग्रह,नमक सत्याग्रह , रौलट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह आदि में सरदार की संचालक और प्रबंधकीय भूमिका ने स्वाधीनता संघर्ष के फलक को व्यापक कर उसे नई ताकत दी और देशवासियों के स्वाभिमान को जागृत किया।

जनसेवक और समाज-सुधारक के रूप में अस्पृश्यता निवारण, जातिगत भेदभाव, नशा मुक्ति, महिला मुक्ति,बोरसद तालुका को खुंखार डाकू के आतंक से मुक्ति गुजरात विद्यापीठ की स्थापना, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सत्याग्रह पत्रिका का प्रकाशन, सहकारी आंदोलन का मार्गदर्शन, कल्याणकारी राज्य,निवेश आधारित विकास और बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने की वकालत, भीषण बाढ़,अकाल,प्लेग महामारी आदि के समय स्वयं बीमार होते हुए पीड़ितों की सेवा उनके श्रेष्ठतम रचनात्मक कार्यों का प्रमाण है।

अंग्रेजों ने कूटनीति से भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 में %लैप्स आफ पैरामाउंसी% विकल्प अनुसार यह स्वतंत्रता दे दी कि वे चाहें तो आजाद रह सकते हैं अथवा भारत-पाकिस्तान किसी भी देश में अपना विलय कर सकते हैं । निसंदेह अंग्रेजों का यह षड्यंत्र अखंड भारत के निर्माण में लाइलाज नासूर के रूप में काम करता यदि सरदार पटेल ने दृढ़ता पूर्वक अपनी विलक्षण बुद्धि,अनोखी सूझ बूझ,दूरदर्शिता,आवश्यकतानुसार साम दाम दंड भेद की नीति तथा अंतिम विकल्प के रूप में बल प्रयोग कर जूनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर जैसी रियासतों को भारत में सम्मिलित नहीं किया होता। वस्तुतः भारत की आजादी की घोषणा के साथ ही अधिकांश रियासतों ने यह अर्थ लगा लिया कि अब वे संप्रभुता संपन्न राज्य हो जाएंगे। 12 जून 1947 को त्रावणकोर राज्य ने बाद में हैदराबाद निजाम ने अपने स्वतंत्र अस्तित्व की घोषणा कर दी । सरदार पटेल के मन में पूर्व से ही एक अखंड भारत का स्वप्न था।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

यूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेवर्स ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक है, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां विस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कत तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
- माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

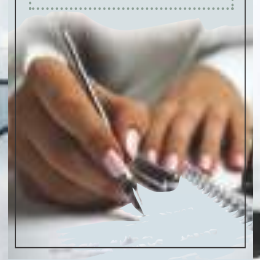

इस सप्ताह कैसी रहेगी शेयर मार्केट की चाल? एक्सपर्ट लगा रहें ये अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की विशेष बैठक, कंपनियों के तिमाही नतीजे और अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों पर निर्णय जैसे घटनाक्रमों से इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े तथा वृहद आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े मंगलवार को जारी होंगे। वहीं सेवा क्षेत्र के आंकड़े बृहस्पतिवार को आएंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, %%फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक, वाहन बिक्री के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर बाजार की निगाह रहेगी। इसके अलावा बाजार की नजर रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन नवंबर को बुलाई गई विशेष बैठक पर भी होगी। अब दूसरी तिमाही के नतीजों का अंतिम दौर शुरू हो चुका है। ऐसे में सप्ताह के दौरान शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। अक्टूबर के वाहन बिक्री के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनसे हमें त्योहारी मांग का पता चलेगा।%%

एमपीसी की विशेष बैठक तीन नवंबर को होगी। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत से नीचे रखने के लक्ष्य में क्यों विफल रहा है, बैठक में इसपर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर रही है। ऐसे में रिजर्व बैंक को सरकार को रिपोर्ट सौंपकर इसकी वजह बतानी है। गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय समिति मुद्रास्फीति के लक्ष्य को हासिल करने में विफलता के कारकों पर रिपोर्ट तैयार करेगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा, कई कारणों से यह सप्ताह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक है। इसके अलावा एमपीसी की बैठक भी होनी है। साथ ही बाजार की दृष्टि से वाहन बिक्री के आंकड़े भी महत्वपूर्ण रहेंगे।%% उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजे अब तेजी पकड़ेंगे। इस दौरान भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, सन फार्मा, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी, सिप्ला और टाइटन सहित कई अन्य बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों की घोषणा होगी।

सेंसेक्स की टॉप 9 कंपनियों को मिली अच्छी खबर, रिलायंस को हुआ सबसे अधिक फायदा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 90,318.74 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 652.7 अंक या 1.10 प्रतिशत चढ़ गया। सोमवार को दिवाली के अवसर पर बाजार में एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित किया गया। बुधवार को दिवाली बलिप्रतिपदा पर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर शीर्ष 10 में अन्य सभी कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इनमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शामिल हैं। बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 36,566.82 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 17,08,932.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 11,195.61 करोड़ रुपये बढ़कर 8,12,378.52 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 10,792.67 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,54,404.76 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एसबीआई की बाजार हैसियत 8,879.98 करोड़ रुपये बढ़कर 5,09,372.21 करोड़ रुपये रही।

पेरिस में फ्रैंच ओपन मिश्रित बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी जोड़ी से खेलती हुई जर्मनी की मार्क लैमसफ ओर इसबेल की जोड़ी।

टीम इंडिया ने पर्थ में की 5 गलतियां, जिनकी वजह से साउथ अफ्रीका से झेलनी पड़ी हार

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में टीम इंडिया का विजयी अभियान थम गया है। रविवार को भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका को टक्कर देने में कामयाब रही, लेकिन आखिरी हंसी साउथ अफ्रीका को हंसने को मिली। ऐसे में आप जान लीजिए कि भारत किन 5 कारणों के चलते इस मैच को गंवा बैठा।

टॉस की भूमिका: भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया, क्योंकि ये पिच यूज्ड थी, लेकिन इसका फायदा टीम को नहीं मिला। अगर वे गेंदबाजी चुनते तो शायद मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था, क्योंकि भारत 7 प्रोपर बैटर्स के साथ इस मैच में उतरा था। आपके सामने एक टारगेट होता और आपको ये जानकारी होती कि कितने रन प्रति ओवर आपको चाहिए।

इंडिया की बैटिंग अप्रोच: टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनने और 7 बल्लेबाजों के साथ उतरने का मतलब ये था कि भारत की

बैटिंग अप्रोच तूफानी होगी, लेकिन केएल राहुल पहले ओवर में एक भी रन नहीं बना सके। रोहित शर्मा दूसरे ओवर में बल्लेबाजी करने क्रीज पर उतरे तो उन्होंने भी 3 गेंद डॉट खेलीं और चौथी गेंद पर छक्का जड़ा। अगले ओवर में केएल राहुल ने छक्का जड़ा, लेकिन गेंद ज्यादा डॉट खेली गई। ऐसे में रोहित और केएल राहुल बड़े शॉट खेलने के चक्कर में पवेलियन लौट गए।

हुड्डा वाला प्लान फेल: भारतीय टीम इस मैच में सिर्फ 5 गेंदबाजी विकल्पों के साथ उतरी, क्योंकि अक्षर पटेल की जगह दीपक हुड्डा को अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में खिलाया गया, लेकिन टीम इंडिया के ये प्लान भी फेल हो गया। दीपक हुड्डा बिना खाता खोले आउट हो गए। इससे टीम और भी ज्यादा दबाव में आ गई। अगर प्रोपर बैटर टीम को चाहिए ही था मैनेजमेंट बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ जा सकता था।

अश्विन और हार्दिक ने रन लुटाए: भारत के पेस अटैक भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज ने साउथ अफ्रीका पर लगाम लगाने का काम किया और विकेट भी चटकाए। ऐसे में रन रोकने का काम हार्दिक पांड्या और आर अश्विन को करना था, लेकिन दोनों ने बीच के ओवर में खूब रन लुटाए। अश्विन ने 4 ओवर में 43 रन (1 विकेट) दिए और पांड्या ने 4 ओवर में 29 रन दिए।

कोहली का कैच और रोहित का रन आउट मिस: टीम इंडिया को विराट कोहली का एडन मार्करम का कैच छोड़ना और फिर इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा का रन आउट मिस करना भी खल गया, क्योंकि जिस समय मार्करम का कैच छूटा, उस समय साउथ अफ्रीका की टीम की स्थिति अच्छी नहीं थी। यहां तक कि रोहित अगर रन आउट कर देते तो भी भारत की वापसी के पूरे चांस थे, लेकिन अंत में ये कमी भारत को खली, क्योंकि उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी की।

टी20विश्वकप सुपर-12 मुकाबला

शान्तो और तस्कीन के शानदार प्रदर्शन से बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को तीन रनों से हराया

ब्रिस्बेन। हुसैन शान्तो और तस्कीन अहमद के अच्छे प्रदर्शन से बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-12 मुकाबले में जिम्बाब्वे को तीन रनों से हरा दिया। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नजमुल हुसैन शान्तो के अर्धशतक 71 रनों की सहायता से निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 150 रन बनाये।

इस प्रकार जिम्बाब्वे को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम तय ओवरों में आठ विकेट पर 147 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके 69 रनों के अंदर ही उसके पांच विकेट गिर गये। इसके बाद शॉन विलियम्स और रायन बर्ल ने साझेदारी कर लक्ष्य क पहुंचने का प्रयास किया पर सफल नहीं हो पाये हालांकि दोनों के बीच छठे विकेट के लिये अर्द्धशतकीय साझेदारी हुई।

19वें ओवर में विलियम्स के रनआउट ही मैच जिम्बाब्वे के हाथ से फिसल गया। अंतिम ओवर में जिम्बाब्वे को जीत के लिए 16 रनों की जरुरत थी। ऐसे में दूसरी गेंद पर ब्रैड इवान्स के आउट होने के बाद रिचड 'नगारवा ने तीसरी और चौथी गेंद पर एक चौका और एक

छक्का लगाया पर पांचवीं गेंद वह उनके बोल्ड होते ही टीम की उम्मीदें समाप्त हो गयीं। , लेकिन पांचवी गेंद पर वह भी स्टंप आउट हो गए।

जिम्बाब्वे को जब एक गेंद पर पांच रन चाहिए थे तब विकेटकीपर नूरूल हसन ने बल्लेबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को स्टंप करने के प्रयास में गेंद को विकेट के आगे से ही पकड़ लिया, जिसके कारण इसे नो-बॉल करार दिया गया। इसके बाद मिले अवसर का भी लाभ मुजरबानी नहीं उठा पाये और अंतिम गेंद पर रन नहीं बना पाये। इस प्रकार बांग्लादेश ने तीन रन से मैच जीत लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत धीमी रही। दो विकेट 32 रनों पर ही गिर गये। इसके बाद शान्तो व कप्तान शाकिब अल हसन के बीच 54 रन की साझेदारी हुई। शाकिब ने 23 रन बनाये जबकि शंटो ने 71 रनों की पारी खेली।शान्तो ने अपना अर्द्धशतक पूरा करने के बाद 16वें ओवर में ब्रैड इवान्स की गेंद पर एक छक्का और दो चौके लगाये पर इसके बाद अगले ओवर में ही वह अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद अफीफ ने 29 रन बनाकर बंगलादेश को 150 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। वहीं दूसरी ओर जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुज़रबानी ने 13 रन देकर दो विकेट जबकि रिचर्ड 'नगारवा ने भी इतने ही विकेट लिए। वहीं सिकंदर रज़ा और शॉन विलियम्स को एक-एक विकेट मिला।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर तीसरी बार सुल्तान जोहोर कप जीता

बाहरू। भारतीय हॉकी टीम ने पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 5-4 से हराकर तीसरी बार सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है। दो बार की चैम्पियन रही भारतीय टीम ने पांच साल बाद ये खिताब जीता है। इस टूर्नामेंट में दोनों ही टीमें तय समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। भारतीय टीम की ओर से सुदीप चिरमाको ने 13 मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला पर ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैक हेलाड ने 28 मिनट में गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। जिसके बाद मुकाबला पैनाल्ट शूटआउट में पहुंचा। इसमें भी दोनो ही टीमों ने तीन-तीन गोल दागे ओर मैच बरावरी पर रहा।

जिससे ये मुकाबला 'सडन डेथ% में पहुंचा जहां भारतीय टीम ने बाजी मार ली। भारत की ओर से विष्णुकांत सिंह, अंकित पाल, सुदीप चिरमाको ने गोल दागे जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से बर्न्स कूपर, फोस्टर ब्रोडी, ब्कक्स जोशुआ और हार्ट लियाम ने गोल किये। भारतीय टीम की ओर से उत्तम सिंह ने शूटआउट में दो गोल किये। इसमें 'सडन डेथ% में किया गया एक गोल भी शामिल था।

ऑकलैंड में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच रग्बी महिला विश्वकप क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया।

वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम का ऐलान, शिवनारायण चंद्रपॉल के बेटे का हुआ सलेक्शन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 से बाहर हो चुकी दो बार की चैंपियन टीम वेस्टइंडीज के लिए अगला असाइनमेंट ऑस्ट्रेलिया का दौरा ही है। कैरेबियाई टीम टी20 वर्ल्ड कप के बाद ऑस्ट्रेलिया में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलती नजर आएगी। इसी टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान हो गया है, जिसमें महान बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल के बेटे का भी सलेक्शन हुआ है।

वेस्टइंडीज की टीम 30 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच पर्थ में और 8 से 12 दिसंबर के बीच एडिलेड ओवल में डे-नाइट टेस्ट मैच खेलती नजर आएगी। इसी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज के सलेक्शन पैनल ने आज यानी शनिवार 29 अक्टूबर को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया है। शामहं ब्रूक्स और रोस्टन चेज की टेस्ट टीम में वापसी हो गई है।

क्रैग ब्रैथवेट की कप्तानी वाली टीम में सलेक्शन पैनल ने पहली बार बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल को जगह दी है। टीम के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, ÷हमारे पास खिलाड़ियों का एक कोर ग्रुप है जो टेस्ट टीम का हिस्सा रहा है और

उसने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने इस साल इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो सीरीज खेली हैं और दोनों में जीत हासिल की है। हम अच्छा टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करते हैं।

क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लैकवुड (उपकप्तान), नक्रुमा बोनर, शामर्ह ब्रूक्स, तेजनारायण चंद्रपॉल, रोस्टन चेज, जोशुआ डासिल्वा, जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ, काइली मेयर्स, एंडरसन फिलिप, रैमन रीफर, केमार रोच, जैडेन सील्ल्स और डेवन थॉमस।

चैपल ने विराट को संपूर्ण भारतीय बल्लेबाज बताया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और भारतीय टीम के कोच रहे ग्रेग चैपल ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। चैपल ने कह कि विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ जो पारी खेली थी उसका जवाब नहीं है। यह पारी एक प्रकार से देखा जाये तो ईश्वर के गीत की तरह थी। इससे टी20 क्रिकेट को कलात्मक खेल के रूप में मान्यता मिली है। 82 रनों की इसी पारी के कारण भारतीय टीम को इस मैच में जीत मिली। चैपल ने इस अनुभवी बल्लेबाज को अपने समय का सबसे संपूर्ण भारतीय बल्लेबाज बताया। चैपल ने लिखा, ''कोहली ने एक ऐसी पारी खेली जो 'ईश्वर के गीत' के करीब थी जैसी टी20 क्रिकेट में कभी नहीं खेली गई।'' इस पूर्व कप्तान ने कहा कोहली की आक्रामक पारी बल्लेबाजी की कला को अगले स्तर तक ले गई और इसने वास्तव में टी20 क्रिकेट को कलात्मक खेल के रूप में मान्यता भी दिलायी है।

प्रदान की. क्रिकेट को चाहने वाले टेस्ट क्रिकेट को पहली वरीयता देते हैं जबकि टी20 प्रारूप में शुरू से ही आक्रामक बल्लेबाजी का लक्ष्य होता है। इममें बल्लेबाज हर गेंद पर बड़ा शॉट लगाना चाहता है। इस मैच में विराट ने पहले पाक गेंदबाजों को हताश किया और फिर उनके खिलाफ जमकर रन बनाये।

उन्होंने कहा,'' यह ऐसी पारी थी जिसमें बल्लेबाजी की कला भी देखने को मिली। मैंने जितनी क्रिकेट देखी है ऐसा कोई नहीं कर पाया।'' यह एक ऐसी पारी भी थी जिसने टी20 क्रिकेट को वैध बना दिया. कोई भी अब

संक्षिप्त समाचार

कोनेरु हम्पी का सेमीफाइनल में पहुंचाना तय

मोंटी कार्लो। मोनोको फीडे महिला कैंडिडैट शतरंज टूर्नामेंट के फूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी ने उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ क्वाटर फाइनल के तीसरे मुकाबले में बाजी ड्रॉ खेलकर 2-1 से बढ़त बना ली है और अब अगर अंतिम राउंड में काले मोहरो से वह बाजी ड्रॉ भी खेलती है, तब भी उनका सेमी फाइनल पहुँचना तय है। वहीं अगर एना को वापसी करनी है, तब एन को हर हाल में अंतिम मैच जीतना होगा और तभी मैच टाईब्रेक तक पहुंचेगा।

तीसरे राउंड में सफेद मोहरो से खेल रही हम्पी ने शुरुआत से ही वजीर की अदला बदली करते हुए एंडगेम की तरफ खेल को मोड़ दिया और काफी कोशिश के बाद भी एना कोई बढ़त हासिल नहीं कर सकी और 42 चालों बाद अंततः दोनों खिलाड़ी अंक बांटने पर सहमत हो गई। अब अंतिम राउंड में एना के पास सफेद मोहरो से एक आक्रामक खेल की उम्मीद होगी, क्योंकि उनके पास जीतने के सिवाय कोई चारा नहीं है। वहीं दूसरे क्वाटर फाइनल में चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे ने उक्रेन की ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक के खिलाफ लगातार दूसरी बाजी ड्रॉ खेली और 2-1 से बढ़त बनाए रखी है।

पीटरसन का सवाल, टूर्नामेंट बारिश के मौसम में क्यों करवाया जा रहा, क्या किसी को पता है?

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी20 विश्व कप में प्रशंसक छक्के-चौकों की बरसात से ज्यादा पानी की बरसात देख चुके हैं। अभी तक खेल गए चौदह सुपर-12 स्टेज के मैचों में से 5 मैच किसी न किसी रूप में बारिश से प्रभावित हो चुके हैं। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने इस लेकर ट्वीटर के जरिए सवाल उठाया कि यह टूर्नामेंट इस बारिश के मौसम में क्यों करवाया जा रहा है और यह जनवरी और फरवरी महीने में ऑस्ट्रेलिया की शानदार धूप में क्यों नहीं करवाया जा सका? पीटरसन ने ट्वीट किया, यह टी20 विश्व कप जनवरी/फरवरी में शानदार ऑस्ट्रेलियाई धूप में क्यों नहीं खेला जा सका? क्या किसी को पता है?÷

शुक्रवार के दिन बारिश के कारण टी20 विश्व कप के दोनों मैच बिना कोई गेंद फेंके रद्द किए गए थे। इनमें से पहला मैच अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच, जबकि दूसरा मैच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना था। इस टूर्नामेंट में बारिश के चलते सबसे बड़ा नुकसान इंग्लैंड का हुआ है, जो अपना एक मैच बारिश के कारण डकवर्थ लुईस पद्धति से आयरलैंड को पांच रन से गंवा चुका है और अब टीम का एक अन्य मैच बारिश के कारण रद्द हो गया है। इंग्लैंड इस टूर्नामेंट में अब तक एक ही मैंच अफगानिस्तान के खिलाफ जीत पाया है, जबकि अन्य दोनों मैचों को बारिश के कारण गंवाने से इंग्लैंड टीम का सेमीफाइनल तक पहुंचने का राह काफी मुश्किल हो गया है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 अक्टूबर को इंग्लैंड और आयरलैंड का मैच बारिश से प्रभावित रहा।

इंग्लिश कप्तान जोस बटलर को सेमीफाइलन में पहुंचने की पूरी उम्मीद

मेलबर्न। आयरलैंड के हाथों डकवर्थ लुईस पद्धति से हार और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बारिश के कारण मैच धुलने के बावजूद इंग्लिश कप्तान जोस बटलर को उम्मीद है कि उनकी टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल होगी। इंग्लैंड ने सुपर 12 के चरण में केवल अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज की है। उसका सामना अब न्यूजीलैंड और श्रीलंका से होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया को आयरलैंड और अफगानिस्तान जैसी अपेक्षाकृत कमजोर टीमों का सामना करना है।

बटलर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ने के बाद कहा,''देखिए जब तक कुछ ऐसा न हो जो हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो, तब तक हमें कोई चिंता नहीं है। हम जानते हैं कि अभी हमें दो मैच खेलने हैं। हम इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और खुद को सेमीफाइनल में पहुंचने की सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखना चाहते हैं।% रूप एक से अभी सभी छह टीमें सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया चारों टीम के तीन-तीन अंक है, जबकि श्रीलंका और अफगानिस्तान के दो-दो अंक हैं। बटलर ने कहा, ''हम जानते हैं कि हमें अगले दौर में पहुंचने की अपनी संभावना जीवंत रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

प्रशंसक ने ऋषभ को पारी शुरु करने को कहा

मेलबोर्न। पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया के अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पा रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल अपने प्रशंसकों से भी सलाह ले रहे हैं। टी20 विश्व कप में अभी तक हुए दोनो ही मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह अनुभवी दिनेश कार्तिक टीम में शामिल किये गये हैं। वहीं ऋषभ को एक प्रशंसक ने पारी शुरु करने को कहा है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है।

वहीं पिछले दो मैचों को देखा जाए तो टीम के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल विफल रहे हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि राहुल की जगह ऋषभ को अवसर मिल सकता है। दोनो ही मैच जीतने के कारण भारतीय टीक के सेमीफाइनल की राह आसान हो गयी है। ऐसे में टीम सलामी बल्लेबाज के रुप में ऋषभ को भी उतार सकती है। पर्थ में ऋषभ पंत ने अभ्यास के दौरान प्रशंसक के साथ सेल्फी ली और ऑटोग्राफ भी दिया। इस दौरान प्रशंसक ने उन्हें पारी शुरु करने को कहा। इस प्रशंसक ने ऋषभ से कहा, 'भाई ओपनिंग कर टीम की किस्मत बदल जाएगी।'

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवेलपमेंट सेंटर इंडिया ग्रुप्स ने साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवा कर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित किया।
संपादक- राधिका वीरेंद्र* आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।

एफपीआई ने इस महीने अब तक शेयर बाजार से 1,586 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी की रफ्तार अक्टूबर में कुछ कम हुई है। सितंबर में शेयरों से 7,600 करोड़ रुपए की निकासी करने के बाद इस महीने अब तक एफपीआई ने पूंजी बाजारों से 1,586 करोड़ रुपए निकाले हैं। एफपीआई ने अगस्त में 51,200 करोड़ रुपए की लिवाली की थी।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि नवंबर में एफपीआई का प्रवाह काफी हद तक इस आंकड़े के आसपास रहेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने 28 अक्टूबर तक शेयरों से 1,586 करोड़ रुपए की निकासी की है। इस महीने का अभी एक कारोबारी सत्र बचा है। हालांकि, पिछले कुछ दिन के दौरान भारतीय बाजारों में एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार धीमी हुई है। उन्होंने कहा कि पूंजी की ऊंची लागत, मौजूदा भू-राजनीतिक संकट की वजह से एफपीआई अक्टूबर में बिकवाल रहे हैं। इससे पहले जुलाई में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में करीब 5,000 करोड़ रुपए डाले थे। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर से लगातार नौ माह तक एफपीआई बिकवाल रहे थे।इस साल अभी तक एफपीआई की निकासी 1.70 लाख करोड़ रुपए पहुंच चुकी है। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से वृद्धि की संभावना, रुपए में गिरावट, मंदी की आशंका और यूक्रेन-रूस युद्ध की वजह से भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह नकारात्मक रहेगा। इस परिदृश्य में अनिश्चितता का माहौल बना है जिसकी वजह से निवेशक जोखिम लेने से कतरा रहे हैं। अक्टूबर में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,548 करोड़ रुपए निकाले हैं। भारत के अलावा एफपीआई ने फिलिपीन और ताइवान के बाजार से भी पैसे निकाले हैं।

एफपीआई ने सितंबर में शेयरों से 7,600 करोड़ रुपए की निकासी की थी

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बरकरार रही

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 90,319 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 90,318.74 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 652.7 अंक चढ़ गया। सोमवार को दिवाली के अवसर पर बाजार में एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित किया गया। बुधवार को दिवाली बलिप्रतिपदा पर बाजार बंद रहे थे।

समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर शीर्ष 10 में अन्य सभी कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इनमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शामिल हैं। बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 36,566.82 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 17,08,932.42

करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 11,195.61 करोड़ रुपए बढ़कर 8,12,378.52 करोड़ रुपए रहा। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 10,792.67 करोड़ रुपए बढ़कर 4,54,404.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एसबीआई की बाजार हैसियत 8,879.98 करोड़ रुपए बढ़कर 5,09,372.21 करोड़ रुपए रही। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 8,617.06 करोड़ रुपए बढ़कर 11,57,339.65 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 8,214.27 करोड़ रुपए बढ़कर 4,36,240.27 करोड़ रुपए रही। इन्फोसिस का मूल्यांकन 5,259.92 करोड़ रुपए बढ़कर 6,36,476.13 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक को सप्ताह के दौरान 568.37 करोड़ रुपए का फायदा हुआ और उसका बाजार पूंजीकरण 6,32,832.76 करोड़ रुपए रहा। आईटीसी का मूल्यांकन 224.04 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,28,677.66 करोड़ रुपए रहा। इसके ?विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 30,509.44 करोड़ रुपए घटकर 5,93,318.79 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, भारती एयरटेल, एचडीएफसी और आईटीसी का स्थान रहा।

मारुति सुजुकी पेश करेगी जिम्नी लाइफस्टाइल एसयूवी

महिंद्रा थार और फोर्स गोरखा को देगी टक्कर

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी 5-डोर वाली जिम्नी लाइफस्टाइल एसयूवी को देश में 2023 के बीच में लॉन्च करेगी। यह मॉडल 2023 ऑटो एक्सपो में ग्लोबल करने वाला है। यह महिंद्रा थार और फोर्स गोरखा को भारतीय बाजार में टक्कर देगी। इस कार का 5-डोर संस्करण भी लॉन्च होगा।

यह एक माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ एक नया 1.5-लीटर के 15सी पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होगा। ट्रांसमिशन विकल्प में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर शामिल होगा। इसमें सुजुकी का ऑलग्रीप प्रो एडब्ल्यूडी सिस्टम स्टैंडर्ड के तौर पर मिलेगा। इस कार कीमत 10 लाख से 15 लाख रुपये के बीच हो सकती है।महिंद्रा 2023 में थार लाइफस्टाइल एसयूवी का नया 5-डोर वर्जन लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। लंबे व्हीबेस पर आधारित होने के लिए, नया थार 5-डोर 5-डोर मॉडल होगा और आने वाली मारुति जिम्नी और फोर्स को टक्कर देगा गोरखा।

नया मॉडल स्टिफ़र प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा और इसमें पेंटा-लिंक सस्पेंशन होगा। नई थार 5-डोर दो इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा ङ्क एक 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल और एक 2.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल। दोनों इंजनों को उच्च शक्ति और टॉर्क के लिए ट्यून किया जाएगा। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक शामिल होंगे। इस कार की कीमत 15 लाख रुपये से 18 लाख रुपये के बीच होगी। महिंद्रा ने जनवरी 2023 के अंत में एक्सयूवी400 शुद्ध इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की घोषणा की है। नई महिंद्रा

एक्सयूवी400 के लिए बुकिंग जनवरी 2023 के पहले सप्ताह में शुरू होगी।

यह अनिवार्य रूप से थोड़ा अलग स्टाइल, अधिक सुविधाओं और केबिन के साथ एक्सयूवी300 का इलेक्ट्रिक संस्करण है। यह 39.5केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और 110केडब्ल्यू इलेक्ट्रिक मोटर से लैस होगा जो 310एनएम का अधिकतम टॉर्क देगा। एक्सयूवी400 ईवी 150 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड मारने से पहले 8.6 सेकंड में शून्य से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। इस कार की कीमत 17 लाख रुपये से 20 लाख रुपये के बीच हो सकती है। भारत में जल्द ही कई कारों की एंट्री होने वाली है। इन कारों की कीमत 20 लाख रुपये से कम है।

मारुति ब्रेक असेंबली में गड़बड़ी सुधारने 9,925 वाहन वापस लेगी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) रियर ब्रेक असेंबली पिन में संभावित गड़बड़ी को दुरुस्त करने के लिए तीन मॉडल वैगन आर, सेलेरियो और इग्निस की 9,925 इकाइयों को बाजार से वापस लेगी। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। प्रभावित वाहनों का विनिर्माण तीन अगस्त से एक सितंबर, 2022 के बीच हुआ है। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा ?कि ऐसी आशंका है कि रियर ब्रेक असेंबली पिन में कुछ खराबी है। कुछ स्थितियों में यह टूट सकता है और इससे आवाज़ आ सकती है। इससे लंबे समय में ब्रेक के प्रदर्शन पर भी असर पड़ सकता है। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों की सुरक्षा के मद्देनजर हमने प्रभावित वाहनों को बाजार से वापस लेने का फैसला किया है।

संक्षिप्त समाचार

टाटा और महिंद्रा सहित कई कंपनियां करेगी कार लांच

इनमें टाटा हैरियर, महिंद्रा की इलेक्ट्रिक कार शामिल

नई दिल्ली। टाटा और महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित कई कंपनियां आगामी समय में मॉडल्स भारत में लॉन्च करने वाली हैं। इसमें टाटा हैरियर, महिंद्रा की इलेक्ट्रिक कार शामिल हैं। टाटा हैरियर फेसलिफ्ट, जो वर्तमान में अपने टेस्टिंग फेज में है। इस कार के 2023 की पहली छमाही में लॉन्च होने की उम्मीद है। प्रमुख अपडेट में से एक अदास (उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली) के रूप में आएगा जिसमें अडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल शामिल है। एसयूवी को 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी और एक बड़े इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ भी पेश किया जा सकता है। बाहरी हिस्से में, नई हैरियर में एक नई डिज़ाइन की गई ग्रिल, एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी हेडलैंप, नए व्हील्ज और अपडेटेड रियर बम्पर होगा। नए 2023 टाटा हैरियर को पॉवर देना वही 2.0 एल डीजल इंजन होगा जो 350एनएम के साथ 170बीएचपी का उत्पादन करेगा। महिंद्रा एक्सयूवी 400 जनवरी 2023 के अंत में सेल के लिए उपलब्ध होगी। इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए आधिकारिक बुकिंग जनवरी के पहले सप्ताह में शुरू होगी।

शुरुआत में इसे देश के चुनिंदा 16 शहरों में उपलब्ध कराया जाएगा। इलेक्ट्रिक एसयूवी का दावा है कि यह भारतीय ड्राइविंग साइकिल के अनुसार 456 किमी की रेंज पेश करती है ङ्क यह 8.6 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है और 150 किमी प्रति घंटे की अधिकतम स्पीड उपलब्ध कराता है। एक्सयूवी400 में इलेक्ट्रिक मोटर के साथ 39.5 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक है जो 148बीएचपी का पावर और 310 एनएम का टार्क जेनेरेट करता है।

ट्विटर के सौदे से एलन मस्क को एक हजार करोड़ डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क को ट्विटर के सौदे से भारी नुकसान हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक इस सौदे ने उनकी नेटवर्थ 1 हजार करोड़ डॉलर घटा दी है। हालांकि मस्क ने कहा कि उन्होंने ट्विटर को पैसा बनाने के लिए नहीं बल्कि मानवता की मदद के लिए खरीदा है। इस साल अप्रैल में एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के लिए डील की थी। इसके तहत मस्क ने 54.20 डॉलर के भाव पर शेयर खरीदने का सौदा तय हुआ था लेकिन 6 महीने बाद मस्क का यह सौदा महंगा लग रहा है इसका कारण है अमेरिका में आर्थिक अनिश्चितता और ब्याज दरों में बढ़ोतरी, जिसकी वजह से कई कंपनियों की कमाई प्रभावित हुई है। लिस्टेड सोशल मीडिया कम्पनियों के प्रदर्शन पर नजर रखने वाला सोलएक्टिव सोशल मीडिया इंडेक्स करीब 40 फीसदी फिसल चुका है। ब्लूमबर्ग वेल्थ इंडेक्स में ट्विटर की वैल्यू में इतनी गिरावट की गई है और इस प्रकार मस्क की नेटवर्थ भी फिसल गई है। इसके मुताबिक मस्क के नेटवर्थ में 1000 करोड़ डॉलर की गिरावट के बाद इस साल 2022 में अब तक उनकी संपत्ति 6600 करोड़ डॉलर घट चुकी है। मस्क की दिग्गज इलेक्ट्रिक गाड़ी कंपनी टेस्ला के शेयर इस साल 35 फीसदी फिसल चुके हैं।

सरकार ने चीनी निर्यात पर लगी रोक एक साल के लिए बढ़ाई

मुंबई। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों पर रोक लगाने के लिए चीनी के निर्यात पर लगी रोक को एक साल के लिए और बढ़ा दी है। इस साल मई में चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया था, जो 31 अक्टूबर, 2022 तक लागू था। एक सर्कुलर में इस सीमा को 31 अक्टूबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया है। सर्कुलर के मुताबिक यह आदेश 31 अक्टूबर, 2023 या अगले आदेश तक, जो भी पहले आए, तक लागू रहेगा। निर्यात का यह प्रतिबंध कच्ची चीनी, रिफाइंड चीनी और सफेद चीनी पर लगाया गया है। 24 मई को सबसे पहले यह प्रतिबंध लागू किया गया था।

सरकार की ओर से जारी किए गए इस सर्कुलर में बताया गया है कि यह प्रतिबंध सीएक्सएल और टीआरक्यू कोटा के तहत ईयू और यूएस में भेजी जा रही चीनी पर लागू नहीं होगा। इसी महीने सरकार ने कहा था कि भारतीय निर्यातक 31 दिसंबर तक टीआरक्यू के तहत अमेरिका को चीनी निर्यात कर सकेंगे। निर्यातक अब इस साल दिसंबर अंत तक अमेरिका को तय मात्रा में कच्ची चीनी का निर्यात कर सकेंगे। बता दें कि भारत का चीनी निर्यात सितंबर में समाप्त विपणन वर्ष 2021-22 के दौरान 57 प्रतिशत बढ़कर 109.8 लाख टन हो गया है। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है।

बीते हफ्ते इस शेयर की खूब हुई खरीदारी, अब कंपनी के तिमाही नतीजों में गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में रौनक रही। इस दौरान कई ऐसे स्टॉक्स रहे जिनमें निवेशकों ने जमकर खरीदारी की। ऐसा ही एक स्टॉक सार्वजनिक क्षेत्र की पावर कंपनी एनटीपीसी का है। इस स्टॉक ने 7 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया। आखिरी कारोबारी दिन एनटीपीसी का स्टॉक प्राइस 2.08 प्रतिशत चढ़कर 174.15 रुपये के स्तर पर ठहरा।

कैसे रहे तिमाही नतीजे- इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 7 प्रतिशत से अधिक घटकर 3,417.67 करोड़ रुपये रह गया। एनटीपीसी ने कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 3,690.95 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही में कुल आय बढ़कर 44,681.50 करोड़ रुपये हो गई जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 33,095.67

करोड़ रुपये रही थी। इस तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 40,000.99 करोड़ रुपये हो गया जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उसका खर्च 28,949.53 करोड़ रुपये था।

1 लाख रुपये को इस सरकारी कंपनी ने बनाया 5 करोड़, 20 पैसे से 100 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर से जुड़ी एक सरकारी कंपनी ने छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड है। सरकारी कंपनी के शेयरों ने पिछले कुछ साल में 45000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर पिछले कुछ साल में 20 पैसे से बढ़कर 100 रुपये के पार पहुंच गए हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 114.65 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 77000 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 4 जून 1999 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (ङ्क्रस्थ) पर 20 पैसे के स्तर पर थे। डिफेंस सेक्टर से जुड़ी सरकारी कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को 105.30 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों इस पीरियड में निवेशकों को 47760 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 4 जून 1999 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 5.3 करोड़ रुपये होता।

ढाई साल में 20 रुपये से 100 रुपये के पार पहुंचे शेयर: भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने पिछले ढाई साल में भी जबरदस्त रिटर्न दिया है। सरकारी कंपनी के शेयर 8 मई 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 19.90 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को 105.30 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 8 मई 2020 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 5.30 लाख रुपये होता।

10 साल में कंपनी के शेयरों ने 1 लाख के बनाए 8 लाख से ज्यादा

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 9 नवंबर 2012 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 11.85 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को बीएसई पर 105.30 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 10 साल पहले सरकारी कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 8.89 लाख रुपये होता।

अडाणी समूह का 1,000 अरब डॉलर मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। एशिया के सबसे अमीर कारोबारी में से एक गौतम अडानी का अडाणी समूह समूह का लक्ष्य 1,000 अरब डॉलर के मूल्यांकन वाली वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट सूची में शामिल होने का है। अडाणी समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने 10 अक्टूबर को वैचुरा सिक्योरिटीज ?लिमिटेड द्वारा यहां आयोजित निवेशक बैठक में समूह की विकास योजनाओं का ब्योरा दिया। वर्ष 1988 में एक व्यापारी के रूप में कारोबार शुरू करने वाले समूह ने काफी तेजी से बंदरगाह, हवाई अड्डा, सड़क, बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली पारेषण, गैस वितरण और एफएमसजी क्षेत्र में प्रवेश ?किया है। हाल में समूह डेटा केंद्र, हवाई अड्डा, पेट्रोरसायन, सीमेंट और मीडिया जैसे क्षेत्रों में उतरा है। उन्होंने कहा कि समूह की अगले 5-10 साल में हरित हाइड्रोजन कारोबार में 50-70 अरब डॉलर और हरित ऊर्जा में 23 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना है। यह बिजली पारेषण में सात अरब डॉलर, ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी में 12 अरब डॉलर और सड़क क्षेत्र में पांच अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के क्लाउड सेवाओं के साथ डेटा केंद्र कारोबार में प्रवेश के लिए उसे एज कॉनेक्स के साथ साझेदारी में 6.5 अरब डॉलर का निवेश करना होगा और हवाई अड्डों के लिए 9-10 अरब डॉलर की योजना बनाई गई है। हवाई अड्डा क्षेत्र में समूह पहले ही सबसे बड़ा निजी परिचालक है। एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के साथ सीमेंट क्षेत्र में प्रवेश के लिए समूह ने 10 अरब डॉलर का निवेश किया है।

आध्यात्मिकता मनुष्य समाज के एकीकरण का कार्य करती है: दाजी

योग और ध्यान के माध्यम से नशे की लत को छुड़ाने पर केंद्रित हार्टफुलनेस की पुस्तक 'जी हां, आप कर सकते हैं' का विमोचन

दाजी, ईश्वर के भेजी गई विभूतियों में से एक हैं: शिवराज

आईटीडीसी न्यूज हैदराबाद/मध्यप्रदेश। हैदराबाद तेलंगाना स्थित आज प्रातः श्री राम चंद्र मिशन के मुख्यालय कान्हा शांति वनम के हार्टफुलनेस सेंटर में आयोजित एक ध्यान सत्र में हार्टफुलनेस/श्री राम चन्द्र मिशन के अध्यक्ष पूज्यनीय श्री कमलेश पटेल 'दाजी' एवं मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं अन्य गणमान्य जनों के साथ सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर योग और ध्यान के माध्यम से नशे की लत को छुड़ाने पर केंद्रित पुस्तक %जी हां, आप कर सकते हैं का विमोचन किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान मुख्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन ने अपने उद्बोदन में कहा कि आज जब मैं दाजी के साथ जब घूम रहा था तो मुझे गीता जी के श्लोक याद आ गए कि

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ।।

शरीर के समाप्त होने के बाद भी हम समाप्त नहीं होते क्योंकि हम सिर्फ शरीर नहीं हैं, हम अजर अमर आत्मा हैं।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

आदरणीय श्री कमलेश दा जी के चरणों में प्रणाम करता हूं। ध्यान के माध्यम से हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। यह पद्धति मुझे आज की परिस्थितियों में संपूर्ण लगती है। हृदय में पास में प्रकाश की योति जल रही है और वह योति परमात्मा की तरफ जा रही है पूर्णब्रह्म परमात्मा हमें बुला रहा है। उसे हम जुड़ जाएं, एकाकार हो जाएं यह ध्यान करें।

दुनिया में मनुष्य दो चीजें चाहता है। पहला यह कि व्यक्ति खूब जीना चाहता है। दूसरा यह कि सब सुखी जीवन जीना चाहते हैं। जितनी भी पद्धतियां और विचारधाराएं इसी सुख की प्राप्ति के लिए प्रारंभ होती हैं। मध्यप्रदेश की धरती पर भी हार्टफुलनेस के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं ध्यान तथा अनेक कार्य संपन्न हो रहे हैं। मैं उन सभी कार्यों का अभिनंदन करता हूं।

पूय कमलेश दा जी हम सबको ज्ञान का प्रकाश देने, सद्बुद्धि देने सद् मार्ग दिखाने आए हैं। इसलिए केवल ध्यान और योग नहीं और भी अनेक तरह की गतिविधियां कान्हा शांति वनम में चल रही हैं। मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा का समुचय है और इन चारों का सुख प्राप्त करने का केंद्र हार्टफुलनेस है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

जैसे कमल का पत्ता पानी में रहते हुए भी पानी से गीला नहीं होता, वैसे ही हम कर्म तो करें, लेकिन फल की चिंता ना करें। पूय श्री कमलेश दा जी ने मध्यप्रदेश रतलाम जिले के जावरा में एक बंजर पहाड़ी को हरा भरा बनाने का अभियान चलाया है। तकनीकी का उपयोग करके बेहतर किसानी कैसे हो सकती है, किसान कैसे यादा आय प्राप्त कर सकता है। यह यहाँ से सीख जा सकता है।

कार्यक्रम के प्रथम उद्बोदन में पूय दाजी ने कहा कि आध्यात्मिकता मनुष्य समाज के एकीकरण का कार्य करती है जो ध्यान द्वारा ही संभव है. हम, अक्सर, एक दूसरे के इष्ट को ऊँचा नीचा मानने की विवाद में फंसे रहते हैं इससे, हम केवल आपस में सिवाय दूर होने के कुछ नहीं पाते. वहीँ आध्यत्मिकता हमें एक करती है. इसके लिए ध्यान एक मात्र कुंजी है.

बगदाद में फुटबाल स्टेडियम के पास जोरदार धमाका, 10 लोगों की मौत और 20 से अधिक घायल

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में फुटबाल स्टेडियम के पास धमाका हुआ है। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक घायल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फुटबाल खेलने के दौरान ही यह ब्लास्ट हुआ। मृतकों और घायलों में फुटबाल खेल रहे लोग शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लास्ट स्टेडियम के पास खड़े गैस टैंकर में हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के घरों की खिड़कियां और दरवाजे हिलने लगे। साथ ही घटनास्थल के पास पार्क हुए कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। इराक के राष्ट्रपति अब्दुल लतीफ राशिद ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने घटना के जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की बात भी कही है।

अधिकारियों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट तकनीकी खामी के कारण हुआ या फिर यह निशाना बनाकर किया गया हमला था। यह विस्फोट इराक की संसद की ओर से लंबे समय से

प्रतीक्षित मतदान के जरिए नए मंत्रिमंडल को मंजूरी दिए जाने के 2 दिन बाद हुआ, जिसे देश में जारी राजनीतिक तनाव को कम करने की दिशा में बड़ी सफलता करार दिया गया था।

प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सौदानी की अध्यक्षता वाला यह मंत्रिमंडल 2005 के बाद देश का पहला ऐसा मंत्रिमंडल है, जिसमें प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र के समूह के सदस्य शामिल नहीं हैं। अक्टूबर 2019 में इराक ने बगदाद और अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के मद्देनजर 2021 में समय पूर्व चुनाव कराए थे। प्रदर्शनकारियों ने 2003 के अमेरिकी आक्रमण के बाद देश में स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किए थे।

वहीं, सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में शनिवार को एक प्रमुख सरकारी कार्यालय के निकट भीड़ वाले स्थान पर हुए 2 धमाके हुए, जिसमें कई आम लोगों की मौत हो गई।

फिलिपीन में तूफान को सुनामी समझ बैठे गांव के लोग, दर्जनों लोग जिंदा दफन

मनीला। फिलीपीन के कुसियोंग गांव के निवासी रविवार को आए तूफान को सुनामी समझ बैठे, जिसके चलते वे पहाड़ की तरफ ऊंचे स्थान की ओर दौड़ पड़े और फिर वहीं जिंदा दफन हो गए। गांववालों को यह गलतफहमी इसलिए हुई, क्योंकि कुसियोंग इससे पहले विनाशकारी सुनामी का सामना कर चुका था। रविवार तड़के फिलीपीन के उत्तर-पश्चिमी तट से टकराए नालगे नाम के तूफान से सबसे अधिक प्रभावित हिस्सों में शामिल दक्षिणी प्रांत मैग्विनडानाओ के कुसियोंग गांव में दूर-दूर तक लगे कीचड़ के अंबार से बचावकर्ता अब तक कम से कम 18 शव निकाल चुके हैं।

पूर्व गुरिल्ला अलावबादियों द्वारा शासित पांच मुस्लिम प्रांतों के स्वायत्त क्षेत्र के गृह मंत्री नजीब सिनारिंबो ने कहा, अधिकारियों को गुरुवार रात और शुक्रवार तड़के के बीच कुसियोंग गाव में 80 से 100 लोगों के बाढ़ के पानी में बहने या दफन होने की आशंका है। नालगे के दौरान फिलीपीन में भारी बारिश हुई, जिसके कारण कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में कुसियोंग गांव के लोग भी शामिल हैं। साथ ही यह तूफान आपदा

के लिहाज से सबसे संवेदनशील देशों में शुमार फिलीपीन में भारी तबाही का मंजर छोड़ गया।

घातक तबाही का गवाह रहा है यह गांव

टेडुरे जातीय अल्पसंख्यकों की घनी आबादी वाले कुसियोंग गांव के लिए यह आपदा और भी दुखद है, क्योंकि इसके 2,000 से अधिक ग्रामीण सुनामी से बचने के लिए दशकों से हर साल आपदा प्रबंधन की तैयारियां करते रहे हैं। यह गांव सुनामी के कारण घातक तबाही का भी गवाह रह चुका है।

सिनारिंबो ने कहा कि ग्रामीण हालांकि मिनंदर पर्वत से आए इस खतरे को भांप नहीं पाए।

भागते हुए ऊंचे स्थान पर चले गए

उन्होंने कुसियोंग में रहने वाले लोगों के हवाले से एसोसिएटेड प्रेस को बताया, जब लोगों ने चेतावनी घंटी की आवाज सुनी तो वे भागने लगे और एक ऊंचे स्थान पर स्थित गिरजाघर में जमा हो गए। लेकिन यह सुनामी नहीं थी, जो उन्हें डुबो देती। बल्कि यह पानी और कीचड़ का बड़ा सैलाब था, जो पहाड़ से उतरा था। सिनारिंबो ने कहा कि इस एक गलतफहमी से दर्जनों गांववालों की जान चली गई।